संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -51 शुक्रवार ,22 दिसम्बर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

दूरसंचार विधेयक पर संसद की मुहर

» रुकेगा सिम कार्ड से जुड़ा फर्जीवाड़ा

नई दिल्ली,21 दिसंबर2023(ए)। राज्यसभा ने आज दूरसंचार विधेयक 2023 को विपक्ष की गैर मौजूदगी में ध्वनिमत से आज पारित कर दिया जिसमें टेलीकॉम क्षेत्र में न सिर्फ व्यापक पैमाने पर सुधार के प्रावधान किए गए बल्कि उपभोक्ताओं के हितों और अधिकारों के सुरक्षा के साथ ही फर्जी कागजात पर सिम लेकर उससे धोखाधड़ी करने वालों पर शिकंजा कसने की व्यवस्था की गई है। लोकसभा ने इस विधेयक को कल पारित किया था। इस तरह से आज इस पर संसद की मुहर लग गई।संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में इस विधेयक पर हुई चर्चा का जबाव देते हुए कहा कि उपनिवेश काल के कानूनों को समाप्त कर यह नया विधेयक बनाया गया है। पिछले साढे नौ वर्षों में यह क्षेत्र घोटालों से उबर कर उभरता हुआ क्षेत्र बन गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में देश में 6.25 लाख टॉवर थे जो अभी बढ़कर 25.5 लाख हो गये हैं। इसके साथ ही ब्रांडबैंड इंटरनेट ग्राहकों की संख्या भी 1.5 करोड़ से बढ़कर 85 करोड़ हो गयाी है। 14 महीने से भी कम समय में देश में 5 जी के 4 लाख से अधिक टॉवर लगाये गये हैं। उन्होंने कहा कि गलत कागजात देकर फर्जी सिम का उपयोग करने वालों को 3 वर्ष की सजा और 50 लाख रुपये का जुर्माने का प्रावधान किया गया है। मोबाइल फोन को क्लोन करके अपराध करने वालों पर भी कठोर कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। इसके साथ शिकायत निवारण की व्यवस्था की गयी है। इसके अतिरिक्त टॉवर लगाने के लिए सुगम व्यवस्था की गयी है। इसमें कॉमन डक्ट बनाने की बात की गयी है जिसका सभी दूरसंचार सुविधाओं के लिए उपयोग किया जा सकेगा।

दूरसंचार विधेयक 2023 पर संक्षिप्त जानकारी

1. उपयोगकर्ता सुरक्षा पर प्रमुख ध्यान

डू नॉट डिस्टर्ब रजिस्टर से अनचाहे व्यावसायिक ;स्पैमद्ध संदेश और कॉल से उपयोगकर्ताओं को सुरक्षा के लिए कानूनी सुरक्षादिया जाएगा । उपयोगकर्ताओं की शिकायतों के समाधान के लिए ऑनलाइन शिकायत निवारण तंत्र तथा किसी और के पहचान प्रमाण का उपयोग करके सिम प्राप्त करना भी धोखाधड़ी व दंडनीयहोगा ।

2. वे टू राइट रिफार्म

राज्य सरकार के नेतृत्व वाली विवाद समाधान संरचना बनाई गई है। जिसमें जिलाधिकारी एवंजिला न्यायाधीश रास्ते के अधिकार संबंधी मुद्दों का निर्णय करेंगे। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में सामान्य नलिकाएं स्थापित करने का प्रावधानकर दूरसंचार नेटवर्क की स्थापना की जाएगी । यदि सार्वजनिक संपत्ति है तो समयबद्ध तरीके से अनुमति दी जाएगीएवं यदि निजी संपत्ति है तो मालिक और उस व्यक्ति जो टेलीकॉम नेटवर्क स्थापित करना चाहता है के बीच आपसी समझौता किया जाएगा ।

3. लाइसेंस सुधार

वर्तमान में लगभग 100 विभिन्न प्रकार के लाइसेंस हैं। लाइसेंस के अलावा अन्य निर्माण जैसे पंजीकरणए अनुमति और प्राधिकरण हैं । इसमें 3 पहलुओं के लिए प्राधिकरण की एक सरल संरचना में बदलाव किया गया है। दूरसंचार सेवाएँ प्रदान करनाए दूरसंचार का संचालन और विस्तार नेटवर्क और रेडियो उपकरण रखना । इससे ओटीटी को बाहर रखा गया तथा इसमें दस्तावेज़ीकरण वर्तमान में सैकड़ों पृष्ठों से घटकर कम हो जाएगा।

4. स्पेक्ट्रम सुधार

1885 के अधिनियम में स्पेक्ट्रम का कोई उल्लेख नहीं है। इसमें स्पेक्ट्रम की परिभाषा स्पष्ट रूप से विधेयक में उल्लेख किया गया है।स्पेक्ट्रम आवंटन के लिए नीलामी को पसंदीदा माध्यम बनाया जाएगा । दीर्घकालिक योजना को सक्षम करने के लिए राष्ट्रीय आवृत्ति आवंटन योजना लागू की जाएगी ।

5. डिजिटल डिजाइन द्वारा चतुर्थ स्तरीय विवाद समाधान ढांचा

स्वैच्छिक उपक्रमरू नियुक्तियों और दूरसंचार सेवा नेटवर्क को सक्षम बनानाप्रदाताओं को स्वेच्छा से कमियों का खुलासा करना होगा और अनजाने में हुई गलतियों को सुधारना होगा तथा न्याय निर्णयन अधिकारी और नामित अपील समिति के रूप में कार्य करनाशर्तो के उल्लंघन से संबंधित मामलों पर निर्णय लेने के लिए डिजिटल कार्यालय नियुक्तियों और दूरसंचार सेवा नेटवर्क प्रदाताओं द्वारा शर्तें लागू की जाएगी ।

6. मानकों साइबर सुरक्षा और दूरसंचार नेटवर्क की सुरक्षा के लिए कानूनी ढांचा

7 डिजिटल भारत निधि
8 नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास
9 नए उत्पादों और सेवाओं के परीक्षण की अनुमति देने के लिए नियामक सैंडबॉक्स का प्रावधान
10 बिल से पहले दी गई छूटए लाइसेंसए अनुमतिए पंजीकरण आदिजारी रहेगा

पत्रकारों से सूत्र पूछने का अधिकार नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस अफसरों को दी चेतावनी

रायपुर,21 दिसंबर2023(ए)। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर पुलिस प्रशासन एवं प्शासनिक अधिकारियों को जमकर निशाना साधा और चेतावनी भी दी। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूर्ण की बेंच ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 19 और 22 के तहत पत्रकारों के मूल अधिकारों की स्वतंत्रता के खिलाफ पुलिस किसी भी पत्रकार के सूत्र नही पूछ सकती है और न ही कोर्ट। तब तक जब तक कि पत्रकारों के खिलाफ बिना जांच और पुख्ता सबूत के दर्ज मुकदमे और गवाही की जांच नही हो जाती है। आज कल देखा जा रहा है कि पुलिस पत्रकारों की स्वतंत्रता हनन कर रही है क्योंकि अधिकतर मामले में पुलिस खुद को श्रेष्ठ बनाने के लिए ऐसा करती है जिस संबंध में उच्च न्यायालय ने अब अपने कड़े रुख दिखाने पर कहा है अगर पुलिस ऐसा करती पाई जाती है तो फिर कोर्ट की अवमानना का मुकदमा दर्ज किया जा सकता है गौरतलब है कि पत्रकार किसी समाचार के प्रकाशन के लिए अपने सूत्र का इस्तेमाल करते हैं लेकिन कई बार देखा जाता है कि भ्रष्ट राजनीतिक माफिया एवं पुलिस संगठित अपराध की तर्ज पर पत्रकारों को प्रताड़ित करने का काम करते हैं जिससे पत्रकारों को काफी परेशानी हो जाती है छत्तीसगढ़ में महादेव अप के घोटाले के खुलासे के कारण भोपाल की एक महिला पत्रकार को छत्तीसगढ़ की पुलिस ने दबोचने का भरपूर प्रयास किया था लेकिन उस महिला पत्रकार ने हाई कोर्ट में याचिका दायर किया था और वह सुप्रीम कोर्ट के इसी दिशा निर्देश का आधार था कि सूत्र के चलते आप किसी पत्रकार को गिरफ्तार नहीं कर सकते। इस खबर को पत्रकारों को ज्यादा से ज्यादा वायरल करने की आवश्यकता है ताकि आप अपने अधिकार के प्रति सजग रहे।

देश में फिर लौट आया कोरोना वायरस

» तेजी से फैल रहा नया वेरिएंट

» कर्नाटक के बाद अब चंडीगढ़ में भी मास्क हुआ जरूरी

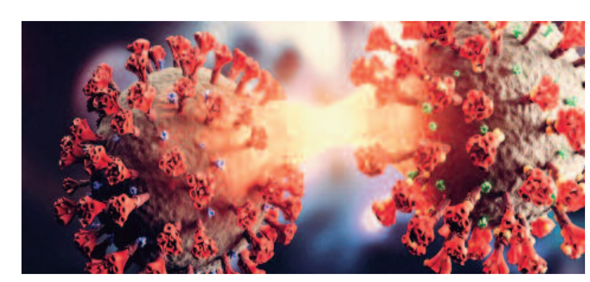

नई दिल्ली ,21 दिसंबर2023(ए)। एक बार फिर से देश में कोरोना संक्रमण की दहशत देखें को मिल रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड-19 के नए वैरिएंट को लेकर राज्यों में अलर्ट भी जारी कर दिया है। वहीं जम्मू में अस्पतालों को जरूरी दवाओं के साथ पूरी तरह तैयार रहने का निर्देश दिया गया है।गोवा, केरल, महाराष्ट्र में भी कोरोना के नए सब वैरिएंट जेएन.1 का संक्रमण फैल रहा है। राज्यों में कोविड संक्रमण की लगातार बढ़ती संख्या को लेकर अलर्ट की स्थिति है। इस बीच चंडीगढ़ प्रशासन ने बड़ा फैसला लेते हुए मास्क की वापसी कर दी है। लोगों को भीड़भाड़ वाले इलाके में मास्क पहनने की सलाह दी गई है, साथ ही लोगों से भीड़भाड़ वाले इलाकों से बचने की हिदायत भी दी गई है। अस्पताल जाने वाले मरीजों को मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है।

विधायक के घर से बेहिसाब नकदी,सोना व महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद

कोलकाता ,21 दिसंबर2023(ए)। आयकर अधिकारियों ने लंबी छापेमारी और तलाशी अभियान के बाद तृणमूल कांग्रेस विधायक बायरन बिस्वास के पास से भारी मात्रा में बेहिसाब नकदी, सोना और संपत्ति से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। छापेमारी बुधवार को हुई। बिस्वास को पिछले साल मुर्शिदाबाद जिले के सागरदिघी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में वाम मोर्चा समर्थित कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुना गया था। लेकिन अपनी जीत के कुछ महीनों के भीतर, वह टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी की उपस्थिति में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। सूत्रों ने बताया कि उनके आवास से 70 लाख रुपये की बेहिसाब नकदी बरामद की गई।

रविवार को सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की छुट्टी पर लगी रोक

कलेक्टर ने जारी किया आदेश

सागर,21 दिसंबर2023(ए)। मध्य प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव रविवार को सागर जिले के प्रवास में रहेंगे। रविवार होने की वजह से सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टी रहती है। मगर मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम की वजह से सभी शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियों पर रोक लगा दी गई है। सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टी पर रोक लगाने के संबंध में सागर कलेक्टर ने आदेश जारी कर दिया है। जारी आदेश के मुताबिक 24 दिसंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सागर जिले में प्रवास कार्यक्रम प्रस्तावित है। जिसके दृष्टिगत सभी अधिकारी/कर्मचारियों के सभी प्रकार के अवकाश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाती है।

आतंकियों ने पुंछ में सेना के ट्रक पर घात लगाकर किया हमला,भारी गोलीबारी

जम्मू-कश्मीर ,21 दिसंबर2023(ए)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकियों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। आतंकवादियों ने गुरुवार को सेना के ट्रक पर घात लगाकर हमला किया है। घटना स्थल पर दोनों तरफ से भारी गोलीबारी हो रही है।

एक महीना के अंदर यह दूसरा आतंकवादी हमला है। इसे बड़ा आतंकी हमला बताया जा रहा है। आतंकियों ने सेना के ट्रक को निशाना बनाया है। भारतीय सेना आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दे रही है। इलाके में भारी सुरक्षा बल तैनात हैं। मौके पर अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भेजा गया है। दोनों तरफ से भारी गोलीबारी जारी है।

यह घटना पुंछ में सशस्त्र पुलिस इकाई के परिसर के अंदर हुए विस्फोट के बाद हुई है। अधिकारियों ने कहा कि सुरनकोट इलाके में 19 और 20 दिसंबर की रात को विस्फोट हुआ था। जिसके कारण परिसर के पास खड़े कुछ गाड़ियों की खिड़कियां के शीसे टूट गए थे। यह हमला डेरा की गली (डीकेजी) नामक इलाके में हुआ है। इस इलाके के पास ही बुधवार रात सुरक्षाबलों ने एक संयुक्त अभियान शुरू किया था। वहीं, इससे पहले 9 दिसंबर को श्रीनगर में आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर अचानक हमला कर दिया था। गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया था। घायल पुलिसकर्मी मोहम्मद हाफिज चाड को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था। आतंकवादियों ने हमदानिया कॉलोनी बेमिना में मोहम्मद हाफिज चाड पुलिस कर्मी पर गोलीबारी की और उसे घायल कर दिया था। वहीं, कुछ दिन पहले ही बीएसएफ के शीर्ष अधिकारी ने बताया था कि पीओके में स्थित लॉन्च पैड पर लगभग 250 से 300 आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ की फिराक में थे।

आईएएस,आईपीएस अचल संपत्ति रिटर्न 31 तक जमा करें

गृह मंत्रालय ने जारी किए निर्देश

नई दिल्ली/रायपुर,21 दिसंबर2023(ए)। केंद्रीय डीओपीटी और गृह मंत्रालय ने आईएएस आईपीएस अधिकारियों से अगले साल 31 जनवरी तक अपनी 'अचल संपत्ति रिटर्न' जमा कराने का निर्देश दिया है। केंद्रीय डीओपीटी और गृह मंत्रालय ने सख्त हिदायत जारी करते हुए कहा है कि कई अधिकारी, इस मामले में ढिलाई बरतते हैं। समय पर आईपीआर दाखिल नहीं होती। अगर कोई, ऐसा करने में असफल रहता है, तो उसे किसी तरह की माफी या छूट नहीं मिलेगी। केंद्रीय डीओपीटी और गृह मंत्रालय ने कहा कि जो भी अधिकारी, आईपीआर नहीं भरेगा, उसे विजिलेंस क्लीयरेंस यानी सतर्कता मंजूरी नहीं मिलेगी। इसका असर उनके करियर पर पड़ सकता है। अफसरों की पदोन्नति, प्रतिनियुक्ति या उनके वेतनमान के अगले पड़ाव तक का सफर मुश्किल हो सकता है।

लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली, 21 दिसंबर 2023(ए)। लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई है। इसी के साथ लोकसभा का शीतकालीन सत्र भी समाप्त हो गया है। निर्धारित तिथि के अनुसार, 4 दिसंबर से शुरू हुए संसद के शीतकालीन सत्र को शुक्रवार तक चलना था। लेकिन, एक दिन पहले 21 दिसंबर को ही लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। गुरुवार को लोकसभा ने दो महत्वपूर्ण विधेयकों, मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों (नियुक्ति, सेवा शर्तों और कार्यालय अवधि) विधेयक - 2023 और प्रेस और पत्र-पत्रिका पंजीकरण विधेयक - 2023, को पारित कर दिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शीतकालीन सत्र के दौरान हुए कामकाज की जानकारी देते हुए सदन को बताया कि वर्तमान चौदहवें सत्र में लोकसभा की उत्पादकता लगभग 74 प्रतिशत रही। लोकसभा के चौदहवें सत्र के दौरान 14 बैठकें हुईं, जो 61 घंटे और 50 मिनट तक चलीं।

क्रिसमस में स्कूली बच्चों के सांता क्लॉज बनने पर लगी रोक

परिजनों की लेनी होगी अनुमति

शाजापुर,21 दिसंबर2023(ए)। क्रिसमस त्यौहार से पहले मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले में एक नया फरमान जारी हुआ है। जिला शिक्षा अधिकारी विवेक दुबे ने निजी स्कूलों को क्रिसमस पर बच्चों को सांता क्लॉज बनाने पहले बच्चों के माता-पिता से परमिशन लेने के निर्देश दिए है।

जिला शिक्षा विभाग ने निजी स्कूलों को पत्र जारी कर बच्चों को को सांता क्लॉज बनाने से पहले उनके माता-पिता की अनुमति लेने के निर्देश दिए है। यदि कोई स्कूल प्रबंधन बिना अनुमति के किसी भी बच्चे को सांता क्लॉज की वेशभूषा में कार्यक्रम में भाग दिलाता है, तो संबंधित स्कूल के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इस संबंध में शिक्षा विभाग का कहना है कि बच्चों को जबरदस्ती सांता क्लॉज बनाया जाता है। जिसके कारण कई बार विवाद की स्थिति बनी है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस बार क्रिसमस के पहले ही सभी निजी स्कूलों को निर्देशित किया गया है।

मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु के मंत्री और पत्नी को 3 साल जेल की सजा सुनाई,50 लाख का जुर्माना

चेन्नई,21 दिसंबर2023 (ए)। मद्रास हाईकोर्ट ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री के पोनमुडी और उनकी पत्नी को 3 साल के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने पोनमुडी और उनकी पत्नी पर 50-50 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने पोनमुडी की सजा को 30 दिनों के लिए निलंबित कर दिया क्योंकि वर्तमान में उनके पास उच्च शिक्षा विभाग का प्रभार है। निचली अदालत ने उन्हें बरी कर दिया था। अब उस फैसले को मद्रास हाईकोर्ट ने पलट दिया है। अगर सुप्रीम कोर्ट से इस सजा पर रोक नहीं लगी तो उनका विधायक और मंत्री पद जाएगा।

इससे पहले मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता के. पोनमुडी और उनकी पत्नी पी. विशालाक्षी को आय से ज्ञात स्रोत से 1.75 करोड़ रुपये की अधिक की संपत्ति के मामले में बरी करने के निचली अदालत के आदेश को मंगलवार को रद्द कर दिया था। न्यायमूर्ति जी. जयचंद्रन ने सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय द्वारा दायर याचिका पर आदेश पारित करते हुए मंत्री एवं उनकी पत्नी को दोषी ठहराया था। हाईकोर्ट ने उन्हें आज अदालत में पेश होने का निर्देश दिया था। अदालत ने उनका पक्ष सुनने के बाद उन्हें मामले में सजा सुनाने की तारीख तय कर दी थी। पोनमुडी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की 13 (2)(धारा 13 (1) (ई) के तहत दंडनीय अपराध के संबंध में आरोप साबित हुए हैं। ऐसी धाराएं एक लोक सेवक द्वारा आपराधिक कदाचार और अवैध कमाई से संबंधित हैं। अदालत ने कहा कि विशालाक्षी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी)की धारा 109 (उकसाने) के साथ पढ़ी जाने वाली भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की समान धाराओं के तहत आरोप साबित होते हैं।

हाईकोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई करने कहा

नई दिल्ली ,21 दिसंबर2023(ए)। पीएम् नरेंद्र मोदी और अमित शाह को 'जेबकतरा' कहने वाले बयान पर राहुल गांधी बुरी तरह घिर गए हैं। इस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को चुनाव आयोग को आदेश दिया कि राहुल गांधी के खिलाफ नियम के मुताबिक कार्रवाई की जाए। राहुल गांधी ने एक कार्यक्रम में गौतम अडानी का जिक्र करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर विवादित टिप्पणी की थी।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि हालांकि कथित बयान ठीक नहीं हैं इसलिए चुनाव आयोग मामले की जांच करे, इस संबंध में यहां तक कि राहुल गांधी को नोटिस भी जारी किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय की पीठ ने आदेश दिया, यह मानते हुए कि जवाब दाखिल करने की समय सीमा समाप्त हो गई है और कोई जवाब नहीं मिला है, अदालत चुनाव आयोग को मामले की उचित कार्रवाई का निर्देश देती है। बता दें अदालत ने कहा कि 23 नवंबर को भेजे गए नोटिस में चुनाव आयोग ने खुद कहा था कि वह इस मामले में उचित कार्रवाई करेगा। याचिकाकर्ता भरत नागर ने उच्च न्यायालय को बताया कि राहुल गांधी ने 22 नवंबर को प्रधानमंत्री सहित उच्चतम सरकारी पदों पर बैठे व्यक्तियों के खिलाफ जघन्य आरोप लगाते हुए एक भाषण दिया, जिसमें राहुल गांधी ने पीएम को जेबकतरा कहा।कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 21 नवंबर को दिए अपने बयान में कहा, पीएम का मतलब पनौती मोदी है। मोदी टीवी पर आते हैं और हिंदू-मुस्लिम कहते हैं और कभी-कभी क्रिकेट मैच में चले जाते हैं, वो अलग बात है कि हरवा दिया। मोदी का काम आपका ध्यान इधर-उधर करने का है। ऐसे ही दो जेबकतरे होते हैं, एक आता है, आपके सामने आपसे बात करता है, आपका ध्यान भटकाता है. तब तक पीछे से कोई दूसरा जेब काट लेता है। बता दें राहुल गांधी पीएम मोदी के खिलाफ ये टिप्पणी क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में भारत की हार को लेकर की थी, इस दौरान मैच को देखने पीएम मोदी भी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पहुंचे थे।

संपादकीय

जनता के बीच जाइए

विपक्ष के पास एक ही रास्ता है कि वह राजनीति का तरीका बदले। सर्वसत्तावादी सरकारों पर लगाम सिर्फ जनता के बीच रहते हुए और उसे संगठित करते हुए ही लगाई जा सकती है। मगर विपक्ष इसके लिए तैयार नहीं दिखता।

अब यह लगभग दस साल का अनुभव है कि वर्तमान भाजपा सरकार संसदीय जवाबदेही को नहीं मानती। ना ही संसद की प्रक्रियाओं का आदर करती है। जिस थोक भाव में सांसदों का निलंबन अब हुआ है, उससे यह बात पुष्ट हुई है कि गुजरते वक्त के साथ सत्ता पक्ष का यह रुख और कठोर होता जा रहा है। सोमवार तक कुल 92 सांसदों को निलंबित किया जा चुका था। राज्यसभा के निलंबित हुए 46 सदस्यों में से 35 को पूरे शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित किया गया है। बाकी 11 सांसदों को उनके व्यवहार पर विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक निलंबित किया गया है। उधर लोकसभा में निलंबित 46 सांसदों में से तीन सांसदों को विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक निलंबित किया गया है। बाकी पूरे सत्र के लिए सस्पेंड किए गए हैं। आखिर इन सांसदों का दोष क्या था? वे 13 दिसंबर को संसद की सुरक्षा में हुई चूक के मसले पर गृह मंत्री से बयान की मांग कर रहे थे। क्या यह मांग इतनी बड़ी थी, जिसको लेकर इतना बड़ा विवाद खड़ा होता? मगर ऐसा हुआ है, तो उसके निष्कर्ष स्पष्ट हैं। सरकार ने बता दिया है कि वह विपक्ष और विरोध को स्वीकार नहीं करती। तो अब प्रश्न विपक्ष के सामने है कि वह क्या करेगा? लोकतंत्र की हत्या हुई, जैसे जैसे बयान अब कोई प्रभाव पैदा नहीं करते। गौरतलब है कि सांसदों के निलंबन के बाद कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि एक बार फिर मोदी सरकार ने संसद और लोकतंत्र पर हमला किया है। उन्होंने ये अंदेशा भी जताया कि विपक्ष की गैर-हाजिरी में सरकार कुछ महत्त्वपूर्ण बिल पास करा लेगी। ये बात भी बहुत दमदार नहीं है, क्योंकि सरकार विपक्ष की मौजूदगी में भी मनमाफिक ढंग से विधेयक पास कराती रही है। ऐसे में विपक्ष के पास एक ही रास्ता है कि वह राजनीति का तरीका बदले। सर्वसत्तावादी सरकारों पर लगाम सिर्फ जनता के बीच रहते हुए और उसे संगठित करते हुए ही लगाई जा सकती है। मगर विपक्ष इसके लिए तैयार नहीं दिखता। इसलिए वह अपनी जगह खोता चला गया है।

स्वार्थी सांसदों ने संसद को मजाक बनाकर रख दिया

संसद में शोर-शराबा, वेल में जाकर नारेबाज़ी करना, एक-दूसरे पर निजी कटाक्ष करना यहां

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

तक कि कई बार हाथापाई पर उतारू हो जाना आज संसद की आम तस्वीर है। आखिर सियासी पार्टियों और सांसदों का बर्ताव इतना अराजक क्यों हो गया है? क्या आज पार्टियों के निहित स्वार्थों ने संसद को मज़ाक बनाकर रख दिया है। अब समय आ गया है कि हमारे सभी सांसद इस बात पर ध्यान दें कि संसदीय लोकतंत्र को कैसे मजबूत किया जा सकता है। अन्यथा जनता ही उसका उपहास करने लगेगी। हमारे सांसदों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि वे किस तरह की विरासत छोड़ कर जा रहे हैं। क्या वे संसद को इसके पतन के भार के नीचे दबने देंगे? आज जो हो रहा है, वो हम देख ही रहे हैं। उम्मीद है कि देश के सांसदों को, सांसद चलाने वालों को इस बात का भान जल्द हो कि देश का नागरिक उन्हें कितनी उम्मीद के साथ देखता है। साथ ही उन्हें कई मौकों पर उदाहरण की तरह रखता है।

पिछले कुछ दिनों से संसद में जो कुछ हो रहा है, उससे देश निराश है। संसद चलाकर ही सरकार विपक्ष के सवालों के जवाब सही ढंग से दे सकती है। हंगामे के माहौल में सांसदों को अपनी बात रखने का मौक़ा ही नहीं मिलता। कोई बच्चा भी समझ सकता है वेल में जाकर नारेबाज़ी और हंगामा कर सदन की कार्यवाही रोकने से कैसे विरोध जताया जा सकता है। अच्छी बात तो तब कही जाएगी, जब आप अपने सवाल साफ़-साफ़ रखें और सरकार साफ़-साफ़ जवाब दे पाए। लेकिन इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि संसद की कार्रवाई में बाधा अपवाद की बजाय नियम बन गया है और हमारे राजनेताओं को इस पर कोई पछतावा नहीं होता है। पिछले वर्षों में यह गिरावट बड़ी तेजी से आई है। सांसद एक-दूसरे पर चिल्लाते हैं, विधायी कागजों को छीनकर फाड़ देते हैं, छोटे से मुद्दे पर सदन के बीचों-बीच आ जाते हैं। पिछले वर्षों में ज्यादातर विधेयकों को बिना चर्चा के ही पारित किया गया है। यह संसदीय प्रणाली का दुरुपयोग है।

अब विपक्षी पार्टियों और कुछ सांसदों ने संसद की दुर्गति कर रखी है। दोनों सदनों में निजी एजेंडों को लेकर अनुत्पादक हंगामा कर कार्यवाही ठप करा देना आम बात है। संसद में शोर-शराबा, वेल में जाकर नारेबाज़ी करना, एक-दूसरे पर निजी कटाक्ष करना यहां तक कि कई बार हाथापाई पर उतारू हो जाना आज संसद की आम तस्वीर है। आखिर सियासी पार्टियों और सांसदों का बर्ताव इतना अराजक क्यों हो गया है? क्या आज पार्टियों के निहित स्वार्थों ने संसद को मज़ाक बनाकर रख दिया है। सांसदों के रवैये को देखते हुए लगता नहीं है कि उसकी मंशा देश के विकास की योजनाएं बनने देने की है। ऐसा लग रहा है कि सांसदों ने पूरे संसदीय लोकतंत्र को बंधक बना लिया है। क्योंकि लोकसभा और राज्यसभा की

कार्यवाही आजकल टीवी पर लाइव दिखाई जाती है, लिहाज़ा देश का आम आदमी भी वह सब कुछ देखता है, जो संसद में रोज़ हो रहा है। आखिर सांसद लोगों के सामने अपनी क्या छवि पेश कर रहे हैं? ज़रा सोचिए कि देश के लोगों के मन में आपकी क्या छवि बनती जा रही है?

यह सच है कि इस गिरावट का कारण यह है कि राजनीति आज संख्या का खेल बन गई है जिसके चलते क्षेत्रीय क्षत्रप अपनी मनमर्जी कराने के लिए दबाव डालते हैं। वे न केवल दादागिरी की राजनीति में विश्वास करते हैं अपितु सफल संसद सत्र के पैमाने को 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' भी बनाते हैं। आज विषय-वस्तु की बजाय आकार महत्वपूर्ण बन गया है जिसके चलते संसद में गली-मोहल्लों के झगड़ों जैसे दृश्य देखने को मिलते हैं। इसलिए इस गिरती राजनीतिक संस्कृति और नैतिक मूल्यों में संसदीय कार्रवाई में राजनीति को प्रभावित करने वाली विषय सामग्री नहीं मिलती है।

कुल मिलाकर ऐसा लगता है कि संसद अब महज़ एक स्कोरिंग क्लब बन कर रह गई है। बहुतों को पता होगा कि संसद की एक मिनट की कार्यवाही पर ढाई लाख रुपए ख़र्च हो जाते हैं। इस तरह एक दिन की सामान्य कार्यवाही पर औसतन छह करोड़ रुपए का ख़र्च आता है। जिस दिन कार्यवाही लंबी चलती है, उस दिन ख़र्च और बढ़ जाता है। ज़रा सोचिए कि यह पैसा आता कहां से है। ज़ाहिर है कि देश के आम लोगों की जेब से ही आता है। लोकतंत्र में इससे बड़ा और क्या मज़ाक होगा कि संसद की कार्यवाही लगातार ठप रहे या फिर दिन भर रह-रह कर हंगामा होता रहे, फिर भी एक दिन में छह करोड़ रुपए ख़र्च हो जाएं। ज़रा सोचिए कि छह करोड़ रुपए से क्या-क्या हो सकता है? हज़ारों गांवों की क़िस्मत संसद की एक दिन की कार्यवाही पर होने वाले ख़र्च से बदल सकती है। लाखों ग़रीब लड़कियों की शादी हो सकती है। लघु और कुटीर उद्योगों से हज़ारों नौजवानों की क़िस्मत संवर सकती है। लेकिन सांसद यह सब नहीं सोचते। विकास की योजनाएं भले न बनें, व्यक्तिगत हित ज़रूर सुधरने चाहिए। क्या सांसद देश से ऊपर हो गए हैं?

एक बात और सारे सांसद हंगामेबाज़ हों, ऐसी बात नहीं हैं। जो कामकाज को लेकर गंभीर हैं, वे कुछ नहीं कर पाते। सवाल है कि सांसद हर बार माहौल क्यों नहीं बनाते? क्या सांसद केवल हंगामा करने के लिए ही पहुंचते हैं? सांसदों ने लोकसभा को पंगु बना कर रख दिया है। हक़ीक़त यह है कि लोकतंत्र का लोक यानी देश की जनता लोकसभा का चुनाव सीधे तौर पर करती है। ऐसे में अप्रत्यक्ष रूप से चुने गए सदन को लोक के सदन यानी लोकसभा की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि लोकसभा में हुए हर काम में अड़ंगा डाल दिया जाए।

लोकसभा में तय दिनों में सभी सांसदों को तीन-तीन मिनट ही सही, अपने चुनाव क्षेत्र के बारे में बोलने दिया जाए। बार-बार हंगामा करने वाले सांसदों को चिन्हित किया जाए और उनकी सूची प्रचारित कराई जाए। ऐसे नियम बनाए जाएं कि वेल में आने या पर्चा लहराने या दूसरा किसी भी क़िस्म का हंगामा करने वाले सांसद के ख़िलाफ़ ख़ुद-ब-ख़ुद कोई तय कार्यवाही हो जाए। कुछ सांसद वॉकआउट करने के बाद दोबारा सदन में क्यों आ जाते हैं? केवल दिखावा करने के लिए ऐसा करते हैं, उन्हें देश के विकास से कोई लेना-देना नहीं है।

वे संसद में कुछ कर नहीं पा रहे हैं और उधर उनके लोकसभा क्षेत्र की जनता त्रस्त, क्योंकि वे उनकी समस्याएं सुलझा ही नहीं पा रहे हैं, क्योंकि संसद में केवल हंगामा हो रहा है। इसलिए संसद को अखाड़ा बनने से रोकें। नेतृत्व को भी अपनी बात समझाएं, उनके हर ग़लत-सही आदेश का आंख मूंदकर पालन न करें। लोकतंत्र के पवित्र मंदिर की गरिमा बचाए रखना सांसदों का प्रथम काम है। संसद को महत्वहीन बनाने के खतरनाक आयामों को शायद ये लोग नहीं समझते हैं। हमारी संसद हमारे राष्ट्र की आधारशिला है जो जनता का प्रतिनिधित्व करती है और जिससे अपेक्षा की जाती है कि वह हमारे राष्ट्रीय हितों पर संप्रभु निगरानी रखे। सरकार संसद के प्रति उत्तरदायी है और सरकार का अस्तित्व उस पर लोकसभा के विश्वास पर निर्भर करता है। अतः समय आ गया है कि हमारे सभी सांसद इस बात पर ध्यान दें कि संसदीय लोकतंत्र को कैसे मजबूत किया जा सकता है। अन्यथा जनता ही उसका उपहास करने लगेगी। हमारे सांसदों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि वे किस तरह की विरासत छोड़ कर जा रहे हैं। क्या वे संसद को इसके पतन के भार के नीचे दबने देंगे? आज जो हो रहा है, वो हम देख ही रहे हैं। उम्मीद है कि देश के सांसदों को, सांसद चलाने वालों को इस बात का भान जल्द हो कि देश का नागरिक उन्हें कितनी उम्मीद के साथ देखता है। साथ ही उन्हें कई मौकों पर उदाहरण की तरह रखता है।

क्यूँ नहीं ?

किस्मत की ओढ़नी
ओढ़ाया क्यूँ नहीं?
मैं जिन्दा हूँ फिर
जिन्दा बताया क्यूँ नहीं?
कोख तेरी, खून पानी तेरा,
शरीर भी तेरे जैसा,
तेरा मन भयभीत है;
मुझे त्रसित बनाया क्यूँ नहीं?
तू तो मार खाकर जीती रही हमेशा,
नारी शक्ति है मुझे सिखाया;
खुद को बताया क्यूँ नहीं?
लड़कर सारी दुनिया से,
क्यूँ जन्म दिया छिपकर,
कितने दिनों तक छुपाकर रखोगी?
कभी दिखाया क्यूँ नहीं?
आज सशक्त नारी
आन्दोलन कर रहीं,
जंग बहुत पहले से
करवाया क्यूँ नहीं?
ना जाने कितनी शक्ति
मर रही आज भी कोख में!
तू खुद शक्तिमान है तो शक्ति
दिखाती क्यूँ नहीं?
माता-पिता दोनों की ही
कमियाँ रहीं हैं कुछ-कुछ,
अन्याय से स्वयं की रक्षा में स्वयं
को सबल बनाया क्यूँ नहीं?
माँ शब्द में सारी दुनिया आ जाती है,
फिर बाहरी दुनियाँ के नियम को
ताक पर चढ़ाया क्यूँ नहीं??

प्रतिभा पाण्डेय प्रति
चेन्नई तमिलनाडु

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

मैं गुलाब हूँ

फूलों की दुनिया का राजा,
खूबसूरती में लाजवाब हूँ,
मैं गुलाब हूँ।
छूना मुझको ज़रा प्यार से,
नाज़ुक मेरा अंग अंग है।
वरना टूट बिखर जाऊंगा,
गर्दन मेरी ज़रा तंग है।।
मैं शरमाई सी बैठी हुई,
मोहतरमा का जैसे हिजाब हूँ,
मैं गुलाब हूँ।
खुशबू मेरी बरबस ही यूँ,
मोहब्बत पैदा करती है।
मुझसे ही तो जवां दिलों की,
प्यार की दुनिया सँवरती है।।
मैं दो प्रेमी को इक दूजे का,
इज़हारे इश्क़ का जवाब हूँ,
मैं गुलाब हूँ।
मेरी अपनी दुनिया कैसी है,
देखो काँटों के बीच खिला हूँ।
गैरों को खुशियाँ देने खुद,
तकलीफ़ों से रोज़ मिला हूँ।।
तपती रेगिस्तान के लिए,
ठंडक लाया महताब हूँ,
मैं गुलाब हूँ।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

तुषार शर्मा नादान
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

खुशी

मैं खोजती रही उसे,
नये नये वस्त्रों में,
चमचमाते गहनों में,
बड़ी बड़ी गाड़ियों में,
कभी सैर-सपाटे में,
कभी महलों में,
कभी पहाड़ो पर
घाटियों और वादियों में,
धन में, धर्म में,
परिवार में,अपरिचितों में
सरिताओं के बहते जल में
प्रकृति के सानिध्य में,
तीर्थों में, मंदिरों
देश में,विदेश में,
एकांत में,भीड़ में,
खामोशी में,शोर में,
अतीत में,भविष्य में ,
धरा के कण- कण में,
पर वो मुझे नही मिली।
क्योंकि. .
मेरी खोज खुशी तो,
मेरे अंदर ही छुपी थी ।

गरिमा राकेश गर्विता
कोटा,
राजस्थान

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

क्या ?

मैं खा रहा हूं तुम्हारे साथ
तुम खाते हो मेरे साथ
कभी कभी निःशुल्क काटता है
प्यार है बस अब तुम्हारे साथ
कोई टूटा नहीं जीवन के दिन
टूटा हुआ प्यार से आपको
खत्म करने के लिए
मत खाओ मेरे लिए...मैं भोजन हूँ
आप इंसान हैं समझना...

ओटेरी सेल्वा कुमार,
चेन्नई,
तमिलनाडु

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

बाल कहानी

जैसे को तैसा

रानी कोयल और मनु बंदर की कलाकारी से सिंघोला बाग ही नहीं; वरन् आसपास की सारी

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
घोटिया-बालोद
(छत्तीसगढ़)

बगिया वाकिफ थी। रानी कोयल गायन में माहिर थी; तो मनु बंदर था एक नंबर का नर्तक। दोनों को गायन व नर्तन के नियमों की बहुत अच्छी जानकारी थी। उनकी कलाकारी की अंचल में तूती बोलती थी। वे दोनों कहीं भी कार्यक्रम देने जाते, तो छा जाते थे। उनमें बड़ा गजब का तालमेल था। पूरे अंचल में उन्हें नेम व फेम दोनों प्राप्त था। पर किसी में भी हो, जब कोई भी गुण-विशेष हावी होता है, तो साथ-साथ उनमें अवगुण भी अवश्य पनपता है; और बस यही हाल था रानी कोयल और मनु बंदर का। जब भी दोनों एक साथ होते तो वे दूसरों से अपनी तारीफ सुनकर अपने स्टेटस तक भूल जाते; और फिर उनका शुरू हो जाता, आ...आ...सा...रे...गा...मा...; और तक...धिना...धिन...। वे भूल जाते कि कहाँ पर क्या करना और क्या नहीं करना चाहिए। साथ ही; अपनी प्रसिद्धि के चलते उनमें घमंड भी आ गया था।

रानी कोयल और मनु बंदर में एक और खास बात थी कि वे एक ही आम पेड़ पर रहते थे। आमवृक्ष बहुत बड़ा और छायादार था। समय आने पर खूब फूलता-फलता था। रानी कोयल व मनु बंदर पेड़ पर अपना एकाधिकार समझते थे। पेड़ के नीचे किसी का बैठना, उस पर चढ़ना व फलों को तोड़ना उन्हें बिल्कुल नहीं सुहाता।

एक बार की बात है। रानी कोयल और मनु बंदर बहुत दूर से कार्यक्रम देकर आए थे। बहुत थके हुए थे। पेड़ पर आराम कर रहे थे। तभी अचानक रानी कोयल की नजर पेड़ के नीचे एक साधु पर पड़ी। उसने आँखों से इशारा करके मनु बंदर को अवगत कराया। फिर साधु से दोनों एक साथ बोले- ऐ कौन हैं आप ? क्या कर रहे हैं ?

मैं एक साधु हूँ। बहुत दूर से चलकर आया हूँ। बड़ी जोर से भूख लगी है। पके हुए फलों को देख कर मुझे खाने की इच्छा हुई। इसलिए कुछ फल तोड़ने का प्रयत्न कर रहा हूँ। साधु की बातों में बड़ी विनम्रता थी।

नहीं ! आप जो भी हैं; पर इस पेड़ का एक भी फल आप नहीं तोड़ सकते। यह पेड़ हमारा है। इस पर केवल हमारा ही अधिकार है। मनु बंदर बोला।

और न ही आप इस पेड़ के नीचे बैठ सकते हैं। यह पेड़ हमारी देखभाल में है। रानी कोयल फुदक कर तनिक आगे आयी।

नहीं ! एक पेड़, नदी, पर्वत अथवा प्रकृति की कोई भी रचना एकाधिकृत नहीं होती। उन पर सबका समान अधिकार होता है। साधु ने मुस्कुराते हुए अपना कमंडल उठाया।

साधु ! कदाचित आपको नहीं मालूम कि हम दोनों इस क्षेत्र के नामी कलाकार हैं। हम दोनों जैसा नृत्य-गायन का प्रदर्शन कोई माई का लाल नहीं कर सकता। हम दोनों छोटे-वोटे कलाकार नहीं हैं। प्रतिस्पर्धा की बात करें तो हमसे कोई लोहा नहीं ले सकता। इसलिए इस आमवृक्ष को पारितोषिक तौर पर बगिया के रहने वालों ने हमारे लिए अधिकृत किया है। यह केवल हमारा है। आप इस पेड़ का किसी भी तरह से उपयोग नहीं कर सकते। बेहतर होगा कि आप यहाँ से चले जावें। रानी कोयल व मनु बंदर के तिरस्कृत शब्द निकले।

ठीक है। मैं चला जाता हूँ । अपनी कलाकारी पर तुम्हें इतना घमंड करना अच्छी बात नहीं है। ज्ञात रहे कि एक दिन ऐसा समय आएगा कि तुम्हें अपनी कला की निपुणता पर ही पछताना पड़ेगा। पेड़ के कुछेक फल ही तोड़ने के लिए आज मुझे मना कर रहे हो। पर याद रखना उस दिन एक भी फल तुम्हारे नहीं होंगे। शापित शब्दों का उपयोग करते हुए साधु वहाँ से चला गया।

एक साल बीत गया। एक दिन एक थका हुआ पथिक उस आमवृक्ष के नीचे आकर खड़ा हुआ। हल्की हवा चल रही थी। वृक्ष की घनी छाया उसे अच्छी लगी। बैठ कर विश्राम करने लगा। अचानक उसने ऊपर की ओर देखा। पेड़ पके हुए फलों से लदा हुआ था। तभी मनु बंदर और रानी कोयल को पथिक ने देख लिया। विनम्र भाव से बोला- ऐ मीठी आवाज की धनी कोयल ! ऐ वानरराज ! मुझे कुछ पके हुए फल चाहिए। मैं अपने बेटे के पास जा रहा हूँ। उसके छोटे-छोटे बच्चे हैं। उन बच्चों के लिए मैं इन्हें ले जाना चाहता हूँ।

नहीं...नहीं...! एक भी फल नहीं मिल सकता तुम्हें; और हाँ , अगर तुम अपने नाती-पोतों के लिए फल ले जाना ही चाहते हो तो हवा के चलने से नीचे गिरे हुए फलों को उठा सकते हो। कहकर मनु बंदर ने पथिक का बोलना बंद कर दिया। पथिक बहुत कुछ बोलना चाहता तो था, पर अब इतना ही बोलना उचित समझा- इस वृक्ष के नीचे अपनी इच्छानुसार आराम तो कर सकता हूँ न ?

निस्संदेह ! तुम बिल्कुल तब तक आराम कर सकते हो जब तक तुम्हारी इच्छा हो। मनु बंदर फिर बोला।

अवश्य आराम कर लो पथिक। अपने से ही गिरे हुए फलों को उठा सकते हो; और ले जा भी सकते हो। रानी कोयल का कहना हुआ।

कुछ देर तक पथिक बैठा रहा। रानी कोयल और मनु बंदर वृक्ष पर आराम कर रहे थे । फिर पथिक गिरे हुए फलों को बीन-बीनकर देखने लगा। सारे फल खराब लगे। उन फलों को बच्चों के लिए ले जाना उचित नहीं लगा रहा था। तभी उसके मन में विचार आया। उसने रानी कोयल एवं मनु बंदर से कहा- मैंने सुना है कि तुम दोनों बहुत मशहूर कलाकार हो। सारी बगिया तुम दोनों के हुनर का जी खोलकर तारीफ करते हैं। सबका मानना है कि तुम दोनों जैसा कोई नाच-गा नहीं सकता। परंतु....!

परंतु क्या...पथिक ? कहते हुए रानी कोयल फुदक कर पथिक के और करीब चली गयी।

परंतु... मैं भला कैसे मान लूँ कि तुम दोनों बहुत अच्छे कलाकार हो ? आँख मटकाते हुए पथिक बोला।

पथिक ! तुम्हें हमारी कलाकारी पर संदेह है ? पथिक इस बगीचे में ही नहीं, बल्कि आसपास कहीं भी कोई भी गायन व नृत्य में हमारा सामना नहीं कर सकता। रानी कोयल व मनु बंदर के स्वर में बड़ा दर्प था।

मैं मान ही नहीं सकता कि कहीं भी तुम दोनों जैसे कलाकार नहीं होंगे। पथिक में फिर संदेहपूर्ण विचार उभरा।

पथिक की बातें सुन रानी कोयल से नहीं रहा गया। बोली- तो ठीक है, मैं दिखाऊँ तुम्हें अपनी प्रतिभा। दिखाऊँगी तब तो मानोगे ना ? उसने कुछ न सोचा न समझा, बस अपना शुरू कर दिया। जैसे ही उसने गाना शुरू किया, मनु बंदर का मटकना शुरू हो गया। गाने का स्वर ऊँचा होने लगा। गाते-गाते कोयल रानी एकदम मगन हो गयी। उसकी तान सुनकर बंदर से भी नहीं रहा गया। उसका भी मन तेजी से नाचने को हुआ। नाचते-नाचते मनु बंदर एक डाल से दूसरे डाल पर जोर-जोर से कूदने लगा। उसके कूदने से पके फल गिरने लगे। फिर रानी कोयल ने गाना बंद किया और मनु बंदर ने अपना नाचना। दोनों ने देखा कि वृक्ष के नीचे पथिक ने गिरे हुए ताजे व पके फलों को बीन-बीनकर अपना थैला भर लिया है। फिर रानी कोयल व मनु बंदर पर नजर डालते हुए पथिक मुस्कुराते हुए कहा- बहुत-बहुत धन्यवाद तुम दोनों को। तभी क्षण भर पश्चात रानी कोयल और मनु बंदर देखते हैं कि पेड़ के नीचे वही साधु खड़े हैं, जो साल भर पहले आये थे।

फिर साधु एक हाथ में अपना कमंडल व दूसरे हाथ में थैलाभर आम लेकर वहाँ से चलने लगे। रानी कोयल व मनु बंदर साधु को अपनी आँखों से ओझल होते तक देखते ही रहे।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

कांग्रेस हमेशा ही गलत क्यों ?

उत्तर भारत में बुरी हार के बावजूद राहुल गांधी से लेकर कमलनाथ, भूपेश बघेल, अशोक गहलोत आदि सभी अभी भी नादानी में हैं। जैसे राजस्थान को लेकर यह सोचना कि भाजपा ने सांप्रदायिक राजनीति की, राहुल गांधी-प्रियंका ने मेहनत कम की तो हार गए। कांग्रेस को ध्यान ही नहीं कि भाजपा गलत उम्मीदवारों, ज्यादा कलह, अपने बागियों की अधिकता के बावजूद बहुमत से जीती है। कांग्रेस न चुनाव लड़ते वक्त सही थी और न हारने के बाद ईमानदारी से विश्लेषण करते हुए है। तीनों राज्यों में कांग्रेस ने रेवड़ियों का खोमचा लगा कर चुनाव लड़ा।

राहुल गांधी का अखिल भारतीय स्तर पर ओबीसी वोटों को रिझाने का खोमचा था। मतलब कांग्रेस है ओबीसी हितरक्षक! हम जात जनगणना कराएंगे। और राहुल गांधी का ऐसा हल्ला किसके आगे था? जन्मजात ओबीसी और बतौर पिछड़े प्रधानमंत्री के चेहरा बनाए ओबीसी के घर-घर पहुंचे हुए नरेंद्र मोदी के आगे!

तभी सोचें, राहुल गांधी और उनके सलाहकारों की मूर्खता पर! कश्मीरी पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी की विरासत संभाले ब्राह्मण राहुल गांधी के ओबीसी खोमचे पर। जिस नेहरू-गांधी परिवार ने दशकों राज किया। ब्राह्मण-फॉरवर्ड, दलित, आदिवासी और मुसलमान के कोई 60-65 प्रतिशत वोट बैंक से जिसने उत्तर भारत में लगातार विजय पाई उन इंदिरा गांधी का पोता यदि पिछड़ों को रिझाने के खोमचे से राजनीति करेगा तो क्या होगा? चुनाव में सूपड़ा साफ! इसलिए इन बातों का कोई अर्थ नहीं है कि हार के बावजूद तीनों प्रदेशों में कांग्रेस का वोट तो है।

भूपेश बघेल ने छतीसगढ़ में हर संभव ओबीसी राजनीति की। ओबीसी और किसान के समीकरण में चुनाव जीतने की मास्टर रणनीति बनाई। ब्राह्मण-बनियों को गैर-छतीसगढ़ी करार दे कर आदिवासियों को भी छतीसगढ़िया ओबीसी समीकरण में समेटा। इनके अलावा मुस्लिम वोटों को भी पटाए रखा! मतलब राहुल गांधी का ओबीसी खोमचा आदर्श रूप में छतीसगढ़ का सुपर शॉपिंग मॉल बना हुआ था। यह भी जानना चाहिए कि आधुनिक तौर-तरीकों से चुनाव प्रबंधन, सर्वे, सोशल मीडिया, प्रचार और संसाधन सभी में भूपेश बघेल और उनकी टीम भाजपा से बीस थी न कि उन्नीस!

लेकिन चुनाव नतीजा क्या? वही जो रायपुर एयरपोर्ट से उतरते ही झलकता हुआ था। मैं बार-बार लिखता हूं कि उत्तर भारत में लोगों की धड़कन बामन-बनियों की चर्चाओं से बनती है। यह सत्य नेहरू-इंदिरा गांधी के वक्त था तो नरसिंह राव, वाजपेयी, मनमोहन सिंह के समय में भी रहा। और मोदी राज में भी है। गांव चौपाल हो या बिलासपुर, रायपुर में जन मानस क्या सोचता हुआ होता है? आजादी से पहले के स्वतंत्रता आंदोलन पर विचार करें। किसने अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की गूंज बनाई? ब्राह्मण-बनियों ने! किसने गांधी-नेहरू की हवा बनाई? रामजी और भागवत की कथा को बांचने वाले ब्राह्मणों ने! किसकी धुरी पर यूपी में ब्राह्मण-दलित-मुसलमान का समीकरण रहा? गोविंद वल्लभ पंत, त्रिपाठी, मिश्र, तिवारी जैसों के नेतृत्व से। याद रखें कांशीराम-मायावती ने अकेले 'तिलक तराजू और तलवार, इनको मारो जूते चार' या मुलायम के संग राजनीति की तो उससे कुछ नहीं बना लेकिन शंख बजवा 'हाथी नहीं गणेश है ब्रह्मा, विष्णु, महेश है' से ब्राह्मणों को पटाया तो उत्तर प्रदेश में दलित-ब्राह्मण-मुस्लिम वोट बैंक बना और मायावती ने पूरे बहुमत से राज किया। मगर फिर ज्योंहि हिंदू राजनीति के आईकॉन के तौर पर नरेंद्र मोदी वाराणसी में पंडित मदनमोहन मालवीय का नाम ले कर चुनाव लड़ने उतरे तो घर-घर मोदी हो गया। ओबीसी भी ब्राह्मण-बनियों को साथ हर-हर करते हुए। क्या मैं गलत हूं?

सचमुच उत्तर भारत की यह अमिट हकीकत है कि ब्राह्मण मंदिर-पूजा-पाठ आदि की धर्म पताका से सभी जातियों में रमा रहता है। अपनी सोच और चर्चा की चखचख (यह बात राष्ट्रीय नैरेटिव में भी लागू है) को सभी जातियों में पसारते हुए होता है। जबकि जाट, यादव, गुर्जर आदि जातियां अपनी बिरादरी, खाप, चौपाल विशेष में खुद के सरोकारों, आपसी चर्चाओं से बाहर प्रभाव फैलाए हुए नहीं होती हैं। ओबीसी जातियों में परस्पर ईर्ष्या, प्रतिस्पर्धा और खुन्नस का व्यवहार होता है तो दलित व मुसलमानों से टकराव भी बना हुआ होता है। नतीजतन अपने इलाके के दायरे के ही पंच, सरपंच, विधायक को ले कर जात अनुसार भले फैसले करें लेकिन प्रदेश और देश की राजनीति में वे उसी रौ में बहते हुए होंगे, जिसका नैरेटिव ब्राह्मण-भूमिहार-बनियों की फॉरवर्ड जमात से पैदा हुआ होता है। इस रियलिटी को कांग्रेस भूला बैठी है। सोचें, मोदी-शाह कैबिनेट में, प्रदेशों के राजनीतिक नेतृत्व में ओबीसी चेहरों, जातियों की प्रदर्शनी लगाए बैठे हैं वहीं राहुल गांधी का प्रलाप है कि भारत सरकार के सचिवों में तीन ही ओबीसी सचिव हैं। भला भाजपा जब प्रधानमंत्री, मंत्री, मुख्यमंत्री आदि के चेहरो में ओबीसी बैठाए हुए है, ब्राह्मण-बनिए उनकी वाह करते हुए हैं तो राहुल गांधी का ओबीसी खोमचा कैसे हिट हो सकता है। लोगों के गले उतर सकता है? राहुल गांधी व सभी मोदी विरोधियों का नंबर एक संकट है जो उनकी बात पर गांव-चौपाल, शहर में चर्चा कराने वाला, नैरेटिव बनवाने वाला ब्राह्मण-बनिया है ही नहीं। ध्यान रहे अब शहरों-महानगरों और राजधानियों में ही सियासी चक्रवात बनते हैं और गांव-कस्बों को चपेटे में लिए हुए होते है। फिर वह हिंदू-मुस्लिम का बवंडर हो या भ्रष्टाचार व महंगाई या विश्व गुरू होने का। तभी जयपुर, भोपाल, रायपुर से लेकर बिलासपुर, उदयपुर, लखनऊ, पटना आदि तमाम शहरों-महानगरों में मोदी का जादू है तो वहां से वह बस्तर, सरगुजा, मेवाड़, महाकौशल के इंटीरियर तक पहुंचा हुआ होता है। जाहिर है कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, जदयू या राजद की नियति अब हारते रहने की है।

चार महीने बाद भी लोकसभा चुनावों में 2019 व 2014 वापिस रिपीट होगा। एक तरह से विपक्ष, राहुल, अखिलेश, केजरीवाल, तेजस्वी आदि सबकी नियति गलतफहमियों और अहंकार में जीने से लगातार हारने की हो गई है।

-हरिशंकर व्यास-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

वर्ष 2023 की समाप्ति पर नए वेरिएंट जे एन 1 का आगमन

2023 समाप्ति पर है और ठंड का मौसम है। ऐसे में जाते कुछ दिनों में कोविड के

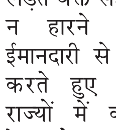

केशी गुप्ता
द्वारका
दिल्ली

नए वेरिएंट जे एन 1 के आगमन ने देश दुनिया को सोचने पर मजबूर कर दिया है। इस वैरिएंट के अब तक भारत में 2000 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं । जिसमें से केरल के एक व्यक्ति की मृत्यु भी हो चुकी है द्य भारत में केरल के अतिरिक्त गोवा, महाराष्ट्र में भी इस वेरिएंट से प्रभावित लोग देखे जा रहे हैं । किसी भी नए वेरिएंट का आगमन लोगों के दिलों में फिर से एक नया खौफ पैदा कर देता है की कहीं फिर से जिंदगी, पटरी से उतर न जाए । कोविड 19 के दौरान हुए आर्थिक, मानसिक, शारीरिक नुकसान से अभी तक लोग पूरी तरह से उभर नहीं पाए हैं । इसलिए किसी भी नए

वेरिएंट की दस्तक लोगों के दिलों में खौफ पैदा कर देती है । दूसरी तरफ ऐसे भी लोग हैं जो अब इस प्रक्रिया को जिंदगी का हिस्सा मानने लगे हैं । लोगों का कहना है कि अब इस तरह के वेरिएंट आते जाते रहेंगे । जे एन 1 वेरिएंट के लक्षण गले में सूजन ,खांसी, भूख का ना लगना, बुखार का लगातार आना, उल्टी का एहसास ,सांस लेने में दिक्कत, अत्यधिक थकान आदि बताए जा रहे हैं। इसके लक्षण आमतौर पर माइल्ड टू मॉडरेट देखे गए हैं। भारत के अलावा यह वेरिएंट चीन ,अमेरिका इत्यादि देशों में देखा गया है । सरकार की तरफ से इस वेरिएंट को लेकर चिंता जताई जा रही है तथा इसे हल्के में न लेने की हिदायत दी गई है । जैसा कि पहले कहा गया है कि लोग अब इस तरह के वेरिएंट के आदी हो चुके हैं। ऐसे में वह जानते हैं कि नियमों का पालन करना अपने को सुरक्षित रखना का मतलब दूसरे को सुरक्षित रखना है । हम उम्मीद करते हैं कि सरकार तथा नागरिकों द्वारा जिम्मेवारी को सही तरीके से समझा जाएगा ताकि जिंदगी का कम से कम नुकसान हो ।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

परसा ईस्ट एवं केते बासेन कोल परियोजना के लिए

पुलिस बल की मौजूदगी में पेड़ों की कटाई शुरू...

आंदोलन करने वाले कुछ ग्रामीणों को घर से उठाकर अपने साथ ले गई पुलिस...

- संवाददाता -
उदयपुर,21 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड को आबंटित कोल परसा ईस्ट एवं केते बासेन कोल परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई का काम जोर शोर से चल रहा है। गुरूवार की सुबह से ही हरिहरपुर, साल्ही, घाटबर्रा,फत्तेपुर,बासेन और परसा में पुलिस बल,वन अमला व राजस्व अमला की चहलकदमी प्रारंभ हो गई थी। खदान की ओर जाने वाले हर रास्ते पर पुलिस बल तैनात थे। साल्ही मोड़ व बासेन से परसा जाने वाले रास्ते में चेक पोस्ट बनाकर हर आने-जाने वाले लोगों से पूछताछ की जा रही है। लोगों को जंगल के अंदर जाने की अनुमति नही थी।

गुरुवार की सुबह 10 बजे करीब सैकड़ों की संख्या में वन, राजस्व और पुलिस की उपस्थिति में पेड़ों की कटाई करने लोग जंगल के अंदर घुसे और पेंड़ों की कटाई शुरू की। पेड़ों की कटाई की भनक लगते ही आंदोलनकारी व प्रभावित ग्रामीण धरना स्थल हरिहरपुर व पेड़ कटाई स्थल घाटबर्रा पेंड्रामार के जंगल जाने लगे। पुलिस बल की लाख कोशिशों के बावजूद ग्रामीण कटाई स्थल तक पहुंच कर पेंड़ों की कटाई रोकने की कोशिश की परंतु उनका यह कोशिश नाकाम रहा।

सूत्रों की मानें तो पेड़ों की कटाई का विरोध करने वाले कुछ आंदोलनकारियों को पुलिस तडक़े घर से उठाकर ले गई है। ताकि कोई व्यवधान उत्पन्न न हो। परसा ईस्ट केते बासेन कोल ब्लॉक के लिए 2682 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है, जिसमें लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा वन विभाग का है और यह क्षेत्रों वनों से आच्छादित है, यही कारण है कि लंबे समय से इस परियोजना का विरोध उदयपुर क्षेत्र में चल रहा है। वर्ष 2013 में इस क्षेत्र में कोयले की खुदाई एवं ढुलाई की प्रक्रिया शुरू हुई। पिछले वर्ष 2022 में लगभग 134.84 हेक्टेयर क्षेत्र में कोल उत्पादन की अनुमति मिली थी। इस दौरान हजारों की संख्या में फोर्स लगाकर 43.6 हेक्टेयर वन भूमि से लगभग 10000 पेड़ काटे गए थे। तब भी क्षेत्र में काफी विवाद की स्थिति निर्मित हुई थी और फिर आनन-फानन में कटाई पर रोक लगा दी गई थी।

आंदोलनकारियों को ले गई है पुलिस

कोल खदान जाने वाले साल्ही, परसा मोड़, बासेन हर रास्ते पर पुलिस बल तैनात की गई है। हजारों की संख्या में पेड़ों के कटने का अनुमान लगाया जा रहा है। कुछ आंदोलनकारियों को घर से उठाकर पुलिस ले गई है। धरना स्थल हरिहरपुर में भी पुलिस बल तैनात है, सैकड़ों की संख्या में जिले एवं संभाग से पुलिस बल यहां पहुंची है।

चोरी की बाइक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

चोरी की बाइक के साथ कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार नवागढ़ निवासी एक युवक की बाइक 16 दिसंबर को उसके घर के बाहर से अज्ञात द्वारा चोरी कर ली गई थी। युवक ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराया था। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली की एक व्यक्ति बाइक बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना पर पुलिस श्रीगढ़ पहुंचकर संदेही को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह बाइक चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने इसके कब्जे से बाइक जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम श्रीगढ़ निवासी विक्रम सारथी पिता विष्णु सारथी उम्र 22 वर्ष को गिरफ्तार कर थाना लाई और उसके खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह, थाना प्रभारी मणिपुर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, प्रधान आरक्षक सूरज राय, आरक्षक अमित राजवाड़े, रमन मण्डल शामिल रहे।

दूसरे की ऋण पुस्तिका में अपनी फोटो लगाकर की थी 13 लाख की धोखाधड़ी,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
प्रतापपुर,21 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

दूसरे व्यक्ति की चार एकड़ जमीन को फर्जी दस्तावेजों के सहारे अपनी बताकर एक अन्य व्यक्ति से 13 लाख 20 हजार में जमीन विक्रय का सौदा कर ठगी करने वाले जमीन एजेंट को भटगांव पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बता दें कि 27 जून 2023 को ग्राम सेंधोपारा भटगांव निवासी केशव प्रसाद ने थाना भटगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि प्रतापपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मरहट्ठा निवासी शाहबुद्दीन व 1 अन्य व्यक्ति द्वारा 28 सितंबर 2022 से लेकर 3 अप्रैल 2023 के मध्य दूसरे की जमीन की ऋण पुस्तिका में अपनी-अपनी फोटो चस्पा कर प्रार्थी को ग्राम सत्यनगर में दूसरे की चार एकड़ जमीन दिखाकर तीन लाख रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से बिक्री करने का सौदा तय कर अलग-अलग तिथियों में जमीन की कीमत सहित दस्तावेज तैयार करवाने के नाम पर छलपूर्वक ठगी करते हुए अपने खाते में कुल 13 लाख 20 हजार नगद ट्रांसफर करवा लिए हैं। प्रार्थी कि रिपोर्ट पर भटगांव पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध धारा 420, 34 के तहत मामला पंजीबद्ध किया था।

उक्त मामले की विवेचना के दौरान भटगांव पुलिस ने प्रार्थी के बैंक खाता की जानकारी हासिल करते हुए आरोपियों की पतासाजी शुरू कर दी थी। इसी दौरान मुखबीर की सूचना पर दबिश देकर आरोपित शाहबुद्दीन पिता रज्जाक उम्र 58 वर्ष निवासी ग्राम मरहट्ठा, थाना प्रतापपुर को पकड़ा गया। पूछताछ पर आरोपित ने जमीन विक्रय के फर्जी सौदे से मिली राशि को खर्च कर देना बताया है। आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है तथा मामले में फरार चल रहे एक अन्य आरोपित की तलाश की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी भटगांव राजेन्द्र साहू, एसआई अश्वनी पाण्डेय, एएसआई लालचंद कुजूर, प्रधान आरक्षक पूरनचंद राजवाड़े, मनोज जायसवाल, विनोद प्रताप सिंह, संतोष जायसवाल व वाहिद हुसैन सक्रिय रहे।

सुअर मारने के लिए जिस करंट को बिछाया था उसी की चपेट में आने से युवक की हो गई थी मौत

- संवाददाता -
बलरामपुर,21 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

वाड्रफनगर थाना क्षेत्र के अजगरा जंगल में 9 दिन पूर्व चार युवक जंगली सुअर मारने के लिए तरंगित तार लगाए हुए थ। जिसमें से एक युवक की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई थी। इस मामले में वाड्रफनगर चौकी पुलिस ने मृतक के तीनों साथियों को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

चौकी प्रभारी डाकेश्वर सिंह ने बताया कि 12-13 दिसंबर की रात मृतक जितेन्द्र कुसरो अपने साला रामशरण, दो अन्य साथी राम इ्क्षसह व बीरबल के साथ जंगली सुअर मारने के लिए अजगर जंगल में वद्युत लाईन 11 हजार केव्ही वायर में जीआई तार की हुकिंग कर विद्युत की चोरी करते हुए जगह-जगह खुटा गाडक़र करेंट फैलाए हुए थे। इसी दौरान जितेन्द्र विद्युत करेंट की चपेट में खुद ही आ गया था और मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी राम शरण आयाम पिता राम लखन 21 वर्ष निवासी कुसफर स्कूलपारा थाना सनावल, बीरबल उईके पिता धीगु 40 वर्ष निवासी कुलुंडीह अधुआपारा थाना सनावल और राम सिंह श्यामले पिता बलजीत श्यामले 35 वर्ष निवासी गौटियापारा वाड्रफनगर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ धारा 304 भादवि व धारा 135 विद्युत अधिनियम का अपराध दर्ज कर जेल दाखिल कर दिया है।

रोटावेटर मशीन में फंसने से युवक की मौत

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 21 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)। रोटावेटर मशीन में फंसने से युवक की मौत हो गई। खेत की जुताई के दौरान हादसा हुआ है। घटना के बाद चालक फरार हो गया है। घटना लखनपुर थाना क्षेत्र के जोतपुर झारपारा की है। जानकारी के अनुसार झारपारा निवासी 19 वर्षिय गीतू गांव के राजेश राजवाड़े के खेत में खेत जोतने के कार्य में लगा था। मशीन से खेत की जुताई की जा रही थी। अचानक वह मशीन के नीचे आ गया और मशीन में फंसने से उसकी मौत हो गई। घंटो मशक्कत के बाद मशीन में फंसे शव को बाहर निकाला गया।

सेंट्रल बैंक महगंवा ब्रांच से खाताधारकों के अकांउट से 40 लाख से ज्यादा की रकम गायब,प्रबंधन ने जांच करने की कही बात...

- संवाददाता -
सूरजपुर,21 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

महगंवा शाखा स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के ब्रांच में इन दिनों ग्राहक बेहद परेशान है । दो दर्जन से ज्यादा ग्राहकों का आरोप है की उनके खाते से रकम गायब हो गए हैं, वही बैंक प्रबंधन मामले की जांच में जुटा हुआ है। सेंट्रल बैंक के ग्राहकों का आरोप है की वे अपने खाते में रकम जमा पहले से करते आ रहे थे,लेकिन जब पैसा निकालने बैंक पहुंचे तो उनके खाते में रकम ही नही थी। ऐसे में कई खाताधारकों के लाखो रुपए खाते से गायब हो गए। वही जब ग्राहकों ने बैंक मैनेजर को पूरे मामले के बारे में बताया तो उनके द्वारा शिकायत पत्र लिया गया है,,लिहाजा दो दर्जन से ज्यादा खाता धारक अब अपने बैंक में जमा रुपए के गायब होने के बाद बैंक के चक्कर काटते नज़र आ रहे हैं ।

जिला मुख्यालय के भैयाथान रोड स्थित सेंट्रल बैंक में लगभग 25 से ज्यादा उपभोक्ताओं की यह शिकायत थी, कि उन्होने बैंक में रूपए जमा किए,पर उनके स्टेटमेंट में रूपए चढ़े ही नहीं, और इसकी जानकारी शाखा प्रबंधक को देने पर उनकी तरफ से यह कहा गया की रूपए आप लोगों ने निकाल लिए होंगे। बैंक की ओर से संतुष्टि भरा जवाब नहीं मिलने पर ग्राहकों ने एक लिखित शिकायत सूरजपुर कोतवाली में की मामले में कोतवाली पुलिस ने बैंक प्रबंधन से जवाब मांगा,जिस पर बैंक प्रबंधन ने ग्राहकों को बैंक के नाम लिखित आवेदन देने की बात कही,जहां मामले की जनकारी लगने के बाद ग्राहकों में हड़कंप मच गया।बैंक पर गबन के आरोप लगा रहे लोगों ने बैंक में जमकर हंगामा मचाया ।

शाखा प्रबंधक ने कहा...

जानकारी देते हुए प्रबंधक सेन्ट्रल बैंक राजीव रंजन, ने बताया कि ग्राहकों ने खाते में राशि जमा नहीं होने की शिकायत मिली है,, जहां खाता धारकों के खाते से लाखो रुपए गायब होने की शिकायत की जांच जारी है,,जांच के बाद ही प्रकरण का निराकरण होगा।

और भी खाता से रूपए गायब होने की संभावना

जहां आज मामला सामने आने के बाद, बैंक ने आवेदन लेने की बात कही और लगभग 25 से 30 ग्राहक सामने आए। वहीं ऐसा मानना है, और 40 लाख रूपए से अधिक का मामला सामने आया। और खबर के सामने आने के बाद अब बैंक में लोगों की भीड़ लगने लगी है, और जो बैंक के ग्राहक हैं वह अपने खाता की स्टेटमेंट निकलवा रूपए होने की जानकारी लेते नजर आ रहे है।

क्या अंबिकापुर संभागीय परिवहन अधिकारी दफ्तर बना भ्रष्टाचार का अड्डा?

वर्षों से जमे...अपना वज्र साम्राज्य स्थापित किए बाबुओं कें दुर्व्यवहार और अवैध उगाही से मोटर मलिक हैं परेशान

» कई करोड़ के आसामी बन बैठे हैं परिवहन विभाग के ये लिपिक, 20 से 25 हजार प्रतिदिन कमाते हैं ये बाबू:सूत्र

» वर्षों से जमे इन बाबुओं के चल अचल संपत्ति की जांच करने की उठ रही है मांग

-भूपेन्द्र सिंह-

अंबिकापुर,21 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)। पिछली कांग्रेस की सरकार में परिवहन विभाग में जमकर भ्रष्टाचार देखने को मिला जो पुरानी सरकारों में नहीं हुआ था वह कांग्रेस के 5 साल की सरकार में परिवहन कार्यालय में देखा गया, स्थिति तो यह है की सरगुजा संभाग के क्षेत्रीय कार्यालय में ट्रांसफर नीति भी काम नहीं करती यहां पर वर्षों से जमे बाबू अपना रोब जमाते हैं और उगाही में खूब नाम कमाते हैं, अब जब सरकार बदल गई है तो ऐसा उम्मीद जगा है कि शायद परिवहन विभाग में लोगों का काम आसानी से होगा परेशानी नहीं होगी। अभी तक की स्थिति में सरगुजा संभाग का परिवहन कार्यालय पूरी तरीके से कुछ बाबुओं के मुट्ठी में था जैसा वह चाहते थे वैसे दफ्तर चलाया जाता था।

क्या यशस्वी प्रधानमंत्री के भ्रष्टाचार मुक्त भारत की परिकल्पना में पानी फेरने का काम कर रहा परिवहन विभाग?

ज्ञात होगी सरगुजा संभाग के परिवहन के सबसे बड़े दफ्तर में भ्रष्टाचार चरम पर है जानकारों की मानें तो छोटे से लेकर बड़ा अधिकारी पैसे की गूंज और धमक में मदमस्त हो चला है, दलाली प्रथा पूरी तरह से हावी है दफ्तर के अंदर दलालों का दब-दबा है आरटीओ सहित विभिन्न कामकाजी बाबू दिनभर दलालों से घिरे रहते हैं, नियमों के अनुसार, इन्हें दफ्तर के बाहर लगी खिड़कियों से ही काम करना चाहिए लेकिन सरकारी अधिकारी कर्मचारियों के भ्रष्ट आचरण के कारण यह दफ्तर के अंदर बाबुओं के इर्द-गिर्द मौजूद रहते हैं, सारी फाइलों को खुद निकलती रखते हैं यही कारण है कि दफ्तर से सैकड़ो फाइलें अभी नदारत है, फाइल नहीं मिलने के कारण कई काम अभी लंबित बताई जा रहे हैं ड्राइविंग लाइसेंस गाड़ियों के पंजीयन फिटनेस परमिट सभी कार्यों के रेट बढ़ा दिए गए हैं कोई भी कार्य अधिकारी डायरेक्ट वाहन स्वामी से करने को तैयार नहीं है दलाल के माध्यम से जाने के बाद ही किसी कार्य को देवांगन जी हाथ लगाते हैं, दलालों से भी एडवांस पैसे की मांग की जा रही है कहा जा रहा है की नई सरकार बनी है ऊपर से ही टाइट करने को कहा गया है, खर्च बढ़ गया है हम क्या कर सकते हैं यदि आपको दिक्कत है तो हमारी शिकायत कर दो और हमारा ट्रांसफर करवा दो ऐसी बेतुकी बाते कहकर भ्रष्टाचार को खत्म करने के बजाय भ्रष्टाचार बढ़ाया जा रहा है देश की यशस्वी प्रधानमंत्री के भ्रष्टाचार मुक्त भारत की परिकल्पना में पानी फेरने का काम पूरे प्रदेश के परिवहन विभाग के अधिकारी जबरदस्त ढंग से कर रहे हैं।

अंबिकापुर परिवहन विभाग में बिना पैसा नहीं होता कोई काम

अंबिकापुर परिवहन विभाग के दफ्तर में वर्षों से जमे एक ही स्थान पर कई बाबू अंगद की तरह पैर जमा कर बैठे हुए हैं,वहीं सूत्रों की मानें तो कई बाबू करोड़ के आसामी बन बैठे हैं अंबिकापुर शहर सहित प्रदेश के अन्य भागों में इन बाबू के पास करोड़ों रुपए की चल-अचल संपत्ति है, एक एक बाबू 20 से 25 हजार रूपए प्रतिदिन कमाता है अकूत काली कमाई की गर्मी से गरमाए बाबूओ की दादागिरी दफ्तर में चरम पर है भ्रष्ट बाबू से सामना न करना पड़े इसलिए वाहन स्वामियों को मजबूरन दलालो के शरण में जाना पड़ रहा है, नई सरकार से आम जनमानस को काफी उम्मीदें बड़ी है और उससे भी बड़ी बात यह है कि सरगुजा संभाग से स्वयं मुख्यमंत्री महोदय हैं और उन्हें भी इनके भ्रष्ट आचरण की जानकारी है परिवहन विभाग से जुड़े व्यापारियों को माननीय मुख्यमंत्री जी से बड़ी आशा है की इस जबरन भया दोहन करने वाले परिवहन विभाग के अधिकारियों और बाबू और सड़कों पर जबरन अवैध वसूली करने वाले इंस्पेक्टरो के आतंक से उन्हें फिलहाल पूरी तरह से मुक्ति मिलेगी। विदित हो कि अंबिकापुर का क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी का कार्यालय मौजूद है जहां पूरे संभाग के बसों का परमिट,सहित ड्राइविंग लाइसेंस गाड़ी का फिटनेस गाड़ियों का पंजीयन लाइसेंस रिनुअल लाइसेंस का हैवीकरण सहित कई प्रकार के कार्य किए जाते हैं बताया जाता है कि कांग्रेस कार्यकाल में इस कार्यालय में जमकर भ्रष्टाचार किया गया है आरटीओ देवांगन की भ्रष्ट कार्य शैली पर हमेशा सवालिया निशान लगाते रहे हैं जिसकी शिकायत प्रदेश के कार्यालय में भी की जाती रही है लेकिन ऊपर के भी भ्रष्टाचारी अधिकारियों ने इस कार्यालय में पदस्थ अधिकारियों और बाबुओं पर किसी तरह की कोई कार्यवाही नहीं की।

कई वर्षो से जमे है बाबू,सोने की अंडा देने वाली मुर्गी समझ बैठे है कार्यालय को?

विभागीय जानकारों की मानें तो साहू बाबू पिछले कई वर्षो से अंबिकापुर में पदस्थ है कई करोड़ रूपों का आसामी बताये जाते हैं नगर में इन्होंने कई दर्जन बिल्डिंग बनाई है और जमीन ने खरीदी हैं सभी बिल्डिंगों को परिवहन विभाग सहित अन्य सरकारी कर्मचारियों को किराया में दे रखा है बताया बताया तो ये भी जाता है कि इसकी काली गोरी सभी कमाई लगभग 10 लाख रुपए महीना है, वही सिंह बाबू का भी हाल ऐसा ही है इनकी भी कमाई 20 से 25 हजार प्रतिदिन बताई जाती है सुबह 10:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक कार्यालय में आकर बैठने वाले यह बाबू अपना टारगेट फिक्स होने के बाद ही दफ्तर छोड़ते हैं जो व्यक्ति इन्हें पैसा नहीं देता उसे पर गवर्नमेंट की पेनल्टी सी एफ इंटरेस्ट ब्याज अधिक राशि बात कर उसे भैया दोहन करते हैं और जब उनके ग्रूप में फंसा मोटर मालिक उनके हिसाब से सेट हो जाता है तो उसका काम मुझे बड़ी सरलता से कर देते हैं ऐसा नहीं है कि उनकी शिकायतें प्रदेश के एसटीए कार्यालय में लगातार की गई है लेकिन प्रदेश कार्यालय में बैठे अधिकारी उन्हें सोने की अंडा देने वाली मुर्गी समझकर इन पर कार्यवाही करने में गुरेज करते हैं यही वजह है कि उनके हौसले बुलंद है बीते दिवस हाईकोर्ट ने रायपुर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी के कार्यालय के सभी कर्मचारियों अधिकारियों अन्यत्र स्थानांतरण के निर्देश दिए थे जिस तरह का भैया दोहन और भ्रष्टाचार रायपुर कार्यालय में हो रहा है उसी तरह के भ्रष्ट बाबू और अधिकारी दोनों अंबिकापुर दफ्तर में भी मौजूद है नई सरकार बनी है विधायक एवं पूर्व आईएएस अधिकारी ओपी चौधरी ने अपनी एक बयान में कहा था कि परिवहन विभाग भी अपनी अवैध उगाही वाली स्थिति सुधार ले लेकिन उनकी बातों का इंटरेस्ट अधिकारियों और बाबुओं पर कोई फर्क नहीं पड़ा है और अवैध उगाही बदस्तूर जारी है।

सील बंद शराब की बोतलों को खोलकर मिलावट करने का मामला आया सामने

भाजपा के वरिष्ठ नेता आलोक दुबे ने कहा कि यह पूरा मामला पिछले सरकार का है...

-संवाददाता-

अम्बिकापुर 21 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)। अम्बिकापुर के शासकीय शराब के दुकानों में कार्य करने वाले प्लेसमेंट के कर्मचारियों के द्वारा आबकारी विभाग के अधिकारियों के सह पर गैर-कानूनी तरीके से सील बंद शराब की बोतलों को खोलकर मिलावट करने का मामला सामने आया है। अंनुमान लगाया जा रहा है संभवतः ऐसा शहर के सभी दुकानों का हाल है जहां ऐसे कार्यों को धड़ल्ले से अंजाम दिया जा रहा है। जाहिर है ऐसा लिखने का मतलब है कि हमारे पास ऐसे कारनामे का पूरा विजुअल या कहे वीडियो है। जिसे प्लेसमेंट के एक कर्मचारी ने बनाया है। बनाए गए विडियो में साफ़ देखा जा सकता है कि किस प्रकार आबकारी विभाग के आला अधिकारियों के सह पर सील बंद शराब के महंगे-महंगे बोतलों के सील तोड़ कर बाल्टी में बोतल को आधा खाली करते हुए उसमें पानी भर दिया जाता है और पुनः सील बंद कर के काटुन में पैक कर दिया जाता है और उन्हीं शराब की बोतलों को अगले दिन ग्राहकों की आंख में धूल जोकर बेच दिया जा रहा है. करोड़ रुपए के इस गोलमोल में आबकारी विभाग के जिला स्तर के अधिकारीयों की मिली भगत स्पष्ट रूप से साबित होती है। वहीं इस विडियो को बनाने वाले नितेश यादव ने बातचीत में बताया कि आचार-संहिता के समय का यह विडियो और उसने खुद ही बनाया है क्योंकि जब उसने इस कार्य का विरोध किया तो उसपे एक हजार रुपए का चोरी का आरोप लगाया कर नौकरी से निकाल दिया गया.

शासकीय शराब की बोतलों को गैर-कानूनी तरीके से खोलकर पानी मिलाकर बेचने के मामले में भाजपा के वरिष्ठ नेता आलोक दुबे का कहना है कि पिछ्ले सरकार का यह पुरा मामला है जिसकी जांच कराई जाएगी वह भी नाम सामने आना चाहिए कि किसके संरक्षण में यह कार्य होता था। उन्होंने कहा यह करोड़ों रुपए की राजस्व की चोरी है जिसकी जांच अब हमारी सरकार करवाएगी।

आलोक दुबे
वरिष्ठ भाजपा नेता

कर्जमाफी का वायदा कर मुकर रही है भाजपा

नारायणपुर के किसान हीरू बढई की आत्महत्या के लिये भाजपा सरकार जिम्मेदार:भगवती राजवाड़े

-संवाददाता-

सूरजपुर 21 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)। नारायणपुर के कुकड़ाझोर गांव के एक किसान के द्वारा कर्ज बोझ के कारण की गयी आत्महत्या दुखद और गंभीर हैं। ज़िला कांग्रेस अध्यक्ष भगवती राजवाड़े ने कहा कि भाजपा की असंवेदनशीलता और वायदा खिलाफी ने एक किसान को आत्महत्या करने को मजबूर कर दिया। यदि भाजपा सरकार ने पहली केबिनेट में 2 लाख तक कर्जा माफ कर दिया होता किसान को आत्महत्या नहीं करना पड़ता। किसान हीरू बढ़ई के ऊपर 1.24 लाख का कर्ज था उसको कर्ज माफी का भरोसा था। उसके पुत्र की भी शादी थी। कर्ज वसूली के नोटिस से वह मानसिक दबाव में आ गये थे। मृतक किसान के बेटे ने भी कहा कि भाजपा के लोग चुनाव प्रचार के दौरान 2 लाख रू. कर्ज माफ करने की बात कहकर गये थे। सरकार के कर्जमाफी के निर्णय नहीं लेने से वह व्यथित थे।

ज़िला कांग्रेस अध्यक्ष भगवती राजवाड़े ने कहा कि भाजपा के अनेकों नेताओं ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान किसानों के कर्जमाफी करने का वायदा अपने भाषणों में किया था, इस संबंध में पाम्पलेट भी वितरित किया गया था। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा का चुनाव प्रचार का वीडियों भी सोशल मीडिया में वायरल है। जिसमें वे 2 लाख कर्जमाफी का वायदा कर रहे है। उन्होंने चुनाव के दौरान प्रदेश की जनता से अनेक जगह सभाओं में वादा किया है, कि भाजपा की सरकार बनने पर 2 लाख तक सारे बड़े और छोटे किसानों का कर्जा माफ किया जायेगा। अब भाजपा की सरकार बन गयी है तो भाजपा कर्ज माफी के वायदे से मुकर रही है जिससे किसान दुखी और व्यथित है।

भाजपा सूरजपुर शहर मंडल के द्वारा राहुल गाँधी का पुतला किया गया दहन

-संवाददाता-

सूरजपुर 21 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)। भाजपा सूरजपुर शहर मंडल के द्वारा राहुल गाँधी का पुतला दहन किया गया। विपक्षी सांसद मंगलवार को संसद भवन के बाहर बैठकर प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान प्रदर्शन करते हुए तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने देश के उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की नकल उतारकर मिमिक्री की गई जिसका वीडियो सांसद राहुल गाँधी द्वारा बनाया जा रहा था। जिस पर उपराष्ट्रपति ने भी इस घटना को शर्मनाक बताते हुए कहा कि यह हास्यास्पद और अस्वीकार्य है कि एक सांसद मजाक उड़ा रहा है और दूसरा सांसद उस घटना का वीडियो बना रहा है।
बता दें कि कल्याण बनर्जी तथा राहुल गांधी के इस रवैये को लेकर भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा भाजपा जिलामहामंत्री राजेश महलवाला ने कहा कि जाट और किसान परिवार से आने वाले माननीय उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का जिस तरह राहुल गांधी के निर्देशन में अपमान किया जा रहा है, वह असहनीय है। भारत का जनमानस इसका बदला जरूर लेगा। जिला कोषाध्यक्ष थलेस्वर साहु व जिला मंत्री संदीप अग्रवाल ने कहा जब देश के उपराष्ट्रपति और संवैधानिक संस्था का माखौल बनाया जा रहा था, तो शहज़ादा खड़ा होकर वीडियो बना रहा था। भारत तोड़ने वालों का साथ लेकर भारत जोड़ने का स्वांग रचने वालों का मुख्य एजेंडा, जोड़ना नहीं तोड़ना ही है। घमंडियों के घमंड का अंत 2024 में देश की जनता अवश्य करेगी।
भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने कहा की अलायन्स के सांसदों ने मर्यादा की सभी सीमाएँ लाँघ दी हैं!
देश के उपराष्ट्रपति व राज्यसभा के सभापति का राहुल गाँधी और घमंडिया गठबंधन के सदस्यों द्वारा संसद भवन परिसर में किया गया अपमान अत्यंत निंदनीय है।
विपक्ष को संवैधानिक पदों और संस्थाओं के प्रति कोई सम्मान नहीं है। इस अवसर पर जिला महामंत्री राजेश महलवाला,जिला कोषाध्यक्ष थलेश्वर साहु,जिला मंत्री संदीप अग्रवाल,आनंद सोनी,राजु देवांगन,डॉ. एच एन चतुर्वेदी, शंकर जिंदिया,भोला साहू,महिला मोर्चा अध्यक्ष सरोज साहू ,युवा मोर्चा अध्यक्ष किशन देवांगन,किसान मोर्चा अध्यक्ष शिव शंकर साहू, सत्यनारायण गुप्ता,प्रेमलता साहू,प्यारे साहू ,संजू सोनी, जनक साहू, विक्की सोनवानी,दिलीप साहू,संदीप जयसवाल,पंकज सोनी,विक्की,रवि,अर्जुन बैगा,दुर्जन बैगा, अशरफ एराकी, जफर सिद्दीकी,इकबाल खान, विकास साहू, हिमांशु मानिकपुरी,पारस सिंह,लोकनाथ बैगा,पीतांबर सिंह, रौनक सिंह परिहार,अनीता मिश्रा, योगेश साहू, मोहन ठाकुर, छोटू ,सुंदरम पुरी सहित अन्य कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे ।

कोरिया जिले के शिवपुर बालक छात्रावास में छात्र से किए गए मारपीट मामले में भृत्य किया गया निलंबित

-संवाददाता-

बैकुंठपुर 21 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के ग्राम शिवपुर में संचालित आदिवासी बालक छात्रावास में निवासरत एवम शिवपुर पूर्व माध्यमिक शाला में अध्यनरत एक बालक के साथ छात्रावास के ही भृत्य संजय तिवारी ने 19 दिसंबर की रात मारपीट की थी जिसमे भृत्य को दोषी पाया गया और विभाग ने भृत्य को निलंबित करने में कोई देरी नहीं की। 20 दिसंबर को जैसे ही मामले की जानकारी आदिवासी विकास विभाग तक पहुंची विभाग के मंडल संयोजक ने छात्रावास पहुंचकर छात्र का साथ ही ग्रामीणों सहित सरपंच का बयान दर्ज किया और बिना कोई विलंब किए ही 20 दिसंबर को ही भृत्य संजय तिवारी को निलंबित कर दिया।
बता दें की मामले में पुलिस थाना पटना में भी प्राथमिकी दर्ज हुई है जो पीड़ति छात्र के बाबा ने दर्ज कराई है जिसमे मारपीट की धाराओं सहित अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है। कुल मिलाकर छात्रावास में बालक के साथ मारपीट मामले में आदिवासी विकास विभाग सहित पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए अपने अपने स्तर की कार्यवाही करने में कोई विलंब नहीं किया है। शिवपुर में 20 बिस्तर का बालक छात्रावास संचालित है जिसका भवन भी अपना नहीं है वहीं विद्यालय के ही एक कक्ष में छात्रावास के छात्र रहने मजबूर हैं। मामले में पीड़ति छात्र कक्षा सातवीं में अध्ययनरत है वहीं उसका नाम जसवंत सिंह है। मामले में बताया जा रहा है की घटना 19 दिसंबर की रात के 10बजे छात्रावास के भृत्य संजय तिवारी ने छात्र के साथ मारपीट की है। छात्र को मारपीट में पीठ पर डंडे का निशान मिलने की बात बताई जा रही है वहीं उक्त पूरे मामले में भृत्य संजय तिवारी अभी निलंबित हो चुका है।

लांस नायक महेश मिश्रा ने 3 घंटे तक यातायात नियमों व महिला उत्पीड़न संबंधित जानकारी छात्राओं को प्रदान की

-संवाददाता-

बैकुंठपुर 21 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)। राज्य सरकार के मनसानुरूप विद्यालयों में अध्यनरत 9 वीं से 12वीं के अजजा बालिकाओं को यातायात नियमों की जानकारी प्रदान किया जाना है जिसके तहत कलेक्टर कोरिया विनय कुमार लंगेह एवं पुलिस अधीक्षक कोरिया त्रिलोक बंसल के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका ठाकुर उप पुलिस अधीक्षक श्याम मधुकर के नेतृत्व में यातायात पुलिस समर्थ जागरूकता अभियान को लेकर गुरुवार को शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैकुंठपुर के छात्राओं को लांस नायक महेश मिश्रा द्वारा 3 घंटे तक यातायात नियमों, संकेतों एवं चिन्हों, महिला उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, पॉक्सो अधिनियम, साइबर अपराध, मानव व्यापार से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। नाबालिग छात्राओं को वाहन न चलाने की समझाइश दी गई साथ ही 18 वर्ष से ऊपर की आयु होने पर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के बाद ही वाहन चलाने के लिए कहा गया। यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई छात्राओं व विद्यालयीन स्टाफ के द्वारा पूछे गए प्रश्नों का सही उत्तर दिया गया, छात्राओं को भविष्य में यातायात नियमों का उल्लंघन ना करने के लिए संकल्पित किया गया साथ ही पूछे गए प्रश्नों के सही जवाब देने वालों को पुरस्कृत किया गया।
यातायात लांस नायक महेश मिश्रा द्वारा यातायात के अनिवार्य, चेतावनी एवं सूचनात्मक चिन्ह की जानकारी के साथ यातायात संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए चौराहा पार करने का नियम, ट्रैफिक सिग्नल लाइट, हाथों के संकेतों के माध्यम से यातायात व्यवस्था का संचालन, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनिवार्यता, दो पहिया वाहन में तीन सवारी ना चलना, वाहन चलाते समय मादक द्रव्यों का सेवन ना करना, तेज गति व लापरवाही पूर्वक वाहन ना चलाना, प्रेशर हॉर्न का उपयोग ना करना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने, ज़ेब्रा क्रॉसिंग रेलवे क्रॉसिंग, गुड समेरिटन, लाइसेंस बनवाने के नियम, दुर्घटना के कारण, दुर्घटना घटित होने पर चालक के कर्तव्य, सड़क पर वाहन चलाने के सही तरीका, मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराएं व उसमें निर्धारित जुर्माने की राशि से संबंधित जानकारी प्रदान की गई एवं जीवन में यातायात नियमों के पालन करने की शपथ दिलाई गई। उक्त जागरूकता अभियान के दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी देवेश जायसवाल, खंड स्त्रोत समन्वयक निलेश शुक्ला, संस्था के प्राचार्य अमृतलाल गुप्ता, जिला युवा अधिकारी पवन गुप्ता, व्याख्याता आर.एल. गौतम, सुश्री शहिस्ता अंजुम अली, अल्फा बरवा, यातायात सैनिक राकेश कोर्राम सहित काफी संख्या में विद्यालयीन छात्राएं उपस्थित रहे।

पीवीटीजी बसाहटों में पहुंचे अधिकारी

प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत घर-घर सर्वे जारी

-संवाददाता-

अम्बिकापुर 21 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूहों (पीवीटीजी) की सामाजिक तथा आर्थिक स्थिति में सुधार करने प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय योजना की शुरूआत की गई है। जिसके संबंध में गत दिवस केंद्र शासन द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए थे। इसी कड़ी में त्वरित पालन करते हुए जिले में कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देश पर गुरुवार को सीईओ जिला पंचायत श्री नूतन कंवर के साथ विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी पीवीटीजी बसाहटों में पहुंचे। जहां प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत सुविधाओं के विस्तार हेतु सर्वे जारी है। कलेक्टर के निर्देश पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु संबंधित विभागीय् अधिकारियों द्वारा खंड स्तरीय अधिकारियो की बैठक लेकर आवश्यक कार्ययोजना भी बनाई गई है। इस अभियान के तहत 9 केन्द्रीय मंत्रालयो के माध्यम से 11 महत्वपूर्ण गतिविधियों के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जायेगा जिसमें पक्के घर का प्रावधान, संपर्क सड़के, नल से जल/समुदाय आधारित पेयजल, मोबाईल मेडिकल यूनिट, छात्रावासों का निर्माण, आंगनबाड़ी केन्द्रो के माध्यम से पोषण, बहु-उद्देशीय केन्द्रो का निर्माण, घरो का विद्युतीकरण ग्रिड तथा सोलर पावर के माध्यम से, वनधन केन्द्रों की स्थापना, इंटरनेट तथा मोबाईल सर्विस की उपलब्धता, आजीविका संवर्धन हेतु कौशल विकास शामिल है। पीवीटीजी बसाहटों में उक्त मिशन का क्रियान्वयन तीन वर्ष की अवधि में पूर्ण कर सभी बसाहटों को उपरोक्त 11 गतिविधियों में आवश्यकतानुसार पूर्णतः कवर किया जाना है।

क्या भरतपुर सोनहत की वर्तमान विधायक पूर्व विधायक के प्रतिनिधि द्वारा कब्जा किए गए शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त करवाएंगी ?

नवीन जिले एमसीबी के कलेक्टर परिसर के पास की शासकीय भूमि पर पूर्व विधायक के प्रतिनिधि एवं उनके साथियों ने किया है कब्जा...

- » गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने पूर्व विधायक के प्रतिनिधि पर शासकीय भूमि हड़पने का लगाया था आरोप,किया था आंदोलन
- » शासकीय भूमि पर कब्जा दर्ज कराकर प्रभाव से उसे अपने नाम कराने की फिराक में थे पूर्व विधायक के प्रतिनिधि
- » वर्तमान विधायक रेणुका सिंह से अब लोगों को उम्मीद, शासकीय भूमि होगी कब्जा मुक्त,पूर्व विधायक के प्रतिनिधि का हटेगा भूमि पर से कब्जा
- » गोंडवाना गणतंत्र पार्टी जिला एमसीबी ने प्रेस क्लब अध्यक्ष एमसीबी पर शासकीय जमीन हथियाने के प्रयास का लगाया आरोप
- » कलेक्टर एमसीबी को लिखा गोगपा जिला एमसीबी पार्टी ने पत्र,तत्काल शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त कराने को लेकर है पत्र
- » शासकीय भूमि पत्रकारों के कब्जे से नहीं छुड़ाए जाने पर पार्टी करेगी कलेक्टर कार्यालय का घेराव,यह भी पत्र में गोगपा ने किया उल्लेखित
- » क्या प्रशासन पत्रकारों से शासकीय भूमि को कराएगा कब्जा मुक्त,क्या प्रशासन गोगपा के पत्र पर लेगा सज्ञान ?
- » जिला संयुक्त कार्यालय के समीप के शासकीय भूमि पर किया है पत्रकारों ने कब्जा,भूमि काफी किफायती

क्या विधायक प्रतिनिधि होना...प्रेस क्लब अध्यक्ष होना...

शासकीय भूमि पर कब्जा करने का देता है किसी को अधिकार ?

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी जिला एमसीबी ने प्रेस क्लब अध्यक्ष एमसीबी पर शासकीय जमीन हथियाने के प्रयास का लगाया आरोप

कलेक्टर एमसीबी को लिखा गोगपा जिला एमसीबी पार्टी ने पत्र,तत्काल शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त कराने को लेकर है पत्र

3 अक्टूबर तक कब्जा मुक्त नहीं हुआ तो आवेदक 4 अक्टूबर को पार्टी जिला कलेक्टर कार्यालय का घेराव करेगी

शासकीय भूमि पत्रकारों के कब्जे से नहीं छुड़ाए जाने पर पार्टी करेगी कलेक्टर कार्यालय का घेराव,यह भी पत्र में गोगपा ने किया उल्लेखित

क्या प्रशासन पत्रकारों से शासकीय भूमि को कराएगा कब्जा मुक्त,क्या प्रशासन गोगपा के पत्र पर लेगा सज्ञान ?

विधायक प्रतिनिधि भी हैं पत्रकार जिनके ऊपर गोगपा ने शासकीय भूमि कब्जा करने का लगाया है आरोप

-रवि सिंह-
एमसीबी,28 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

क्या प्रशासन कब्जा मुक्त कराएगा उस शासकीय भूमि को जिसको लेकर शिकायत मय सबूत दी गई है,क्या प्रशासन अपनी उपस्थिति भी साबित करेगा ?

पत्रकारों को भी करना चाहिए आत्म चिंतन,अनैतिक अवैध कार्यों के लिए नहीं मिली है यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

- रवि सिंह-
एमसीबी 21 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)। नवीन जिला एमसीबी के जिला कलेक्टर कार्यालय की शासकीय भूमि पर भरतपुर सोनहत विधानसभा के पर विधायक के प्रतिनिधि एवम उनके साथियों द्वारा कब्जा किया गया था और उसे पूर्व विधायक के कार्यकाल में ही पूर्व विधायक के प्रतिनिधि अपने नाम से कराने के जुगत में लगे हुए थे जिसको लेकर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने आंदोलन किया था और मामले को उजागर किया था जिस मामले में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को प्रशासन से आश्वासन मिला था और आंदोलन समाप्त किया गया था। तब विधायक भरतपुर सोनहत कांग्रेस पार्टी के गुलाब कमरों थे और प्रदेश में सरकार भी कांग्रेस पार्टी की ही थी और उनके ही प्रतिनिधि पर शासकीय भूमि पर कब्जे का आरोप था इसलिए उस समय प्रशासन भी मजबूर था इसलिए कोई कार्यवाही मामले में हुई थी लगता नहीं है।
अब जबकि भरतपुर सोनहत विधानसभा में विधायक रेणुका सिंह हैं और प्रदेश में सरकार भी इस विधानसभा चुनाव में बदल गई है भाजपा की सरकार है ऐसे में पूर्व विधायक के कार्यकाल के कई मामलों की जांच हो और कार्यवाही हो ऐसी मांग उठ रही है।
इसी कड़ी में पूर्व विधायक भरतपुर सोनहत विधायक के प्रतिनिधि सहित कुछ के द्वारा नवीन जिला कलेक्टर कार्यालय के समीप की शासकीय भूमि पर कब्जा करने का भी मामला है जिसकी जांच की मांग अब उठ रही है क्यूंकि उस समय विधायक और सरकार के प्रभाव में आकर पूर्व विधायक के प्रतिनिधि ने जो मनमानी की था वह अब उजागर हो मामले में कार्यवाही हो ऐसा लोग चाहते हैं। वैसे भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र की वर्तमान भाजपा विधायक रेणुका सिंह कई मामलों में काफी गंभीर मानी जाती हैं और उनमें से एक है नियम विरुद्ध कार्यों को लेकर उनकी सजगता,अब देखना है की वह भरतपुर सोनहत विधानसभा के पूर्व विधायक के कार्यकाल की गड़बड़ियों को लेकर क्या रुख अपनाती हैं क्योंकि जब वह भरतपुर सोनहत क्षेत्र से चुनाव लड़ने आई उन्हे बाहरी बताकर भी चुनाव में प्रभावित करने का प्रयास पूर्व विधायक और उनके प्रतिनिधियों ने किया।
वैसे पूर्व विधायक के शासकीय जमीन पर कब्जा मामले में एक बड़ा आंदोलन हो चुका है और उस समय चूंकि प्रदेश में भी कांग्रेस की सरकार थी विधायक भी कांग्रेस के थे इसलिए कुछ हुआ या नहीं यह स्पष्ट नहीं हो पाया था अब उम्मीद है की मामले में कुछ न कुछ नया मोड़ आएगा और शासकीय भूमि से कब्जा पूर्व विधायक प्रतिनिधि का हटाया जाएगा।

मामला जिसको लेकर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने कलेक्टर को लिखा है पत्र कार्यवाही की है पार्टी की मांग,वहीं घेराव की है चेतावनी

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एमसीबी जिलाध्यक्ष ने कलेक्टर एमसीबी को पत्र लिखकर यह मांग की है उन्हे यह अवगत भी कराया है की ग्राम चैनपुर में स्थित शासकीय भूमि पर नियम विरूद्ध व अवैध तरीके से कुछ लोगों के द्वारा कब्जा किया गया है। जिसे तत्काल जांच कर हटाया जाए एवं कब्जाधारियों पर उचित कार्यवाही किया जाए। अवैध रूप से कब्जा दर्ज करा रहे लोगो में वहीं जिस भूमि पर कब्जा दर्ज कराया जा रहा है उसकी जानकारी अनुसार1. रंजीत सिंह (प्रेस क्लब अध्यक्ष एम.सी.बी.). पता-मनेन्द्रगढ़ जिला - एम.सी.बी. छ.ग. द्वारा काबिज भूमि खसरा नं. 83 / 1 रकवा 3.5780 हेक्टे. ग्राम चैनपुर धीरेन्द्र विश्वकर्मा, पता-मनेन्द्रगढ़ जिला-एम.सी.बी. छ.ग. द्वारा काबिज भूमि खसरा नं. 83/1 रकवा 3¬5780 हेक्टे. ग्राम चैनपुर काबिज भूमि मो. अकील पता-मनेन्द्रगढ़ जिला-एम.सी.बी. छ.ग द्वारा अवैध खसरा नं. 83/1 रकवा 3.5780 हेक्टे ग्राम चैनपुर पर विधायक प्रतिनिधि साथ ही प्रेस क्लब अध्यक्ष साथ ही उनके साथियों द्वारा शासकीय भूमि पर कब्जे की बात आमजनों के द्वारा कही जा रही है। वहीं गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने पत्र में लिखा है की कलेक्टर के द्वारा यदि आज दिनांक 27.09.2023 से 03.10. 2023 तक उचित कार्यवाही करते हुए शासकीय भूमि से नाम विलोपित नहीं किया जाता क्रमांक 1से 3 तक जिसका उल्लेख पत्र में किया गया है का कब्जा और शासकीय भूमि को खाली कराकर आवेदक को जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जाती है तो 04.10,2023 को कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा जिसकी समस्त जवाबदेही शासन-प्रशासन की होगी। वहीं अवैध रूप से कब्जा दर्ज कराने को लेकर कुछ दस्तावेज भी पार्टी ने पत्र के साथ कलेक्टर को उपलब्ध कराया है।

पूर्व विधायक प्रतिनिधि सहित कुछ अन्य ने नवीन जिला कलेक्टर कार्यालय के समीप शासकीय भूमि पर किया हुआ है कब्जा

बता दें की पूर्व विधायक भरतपुर सोनहत के प्रतिनिधि और कुछ अन्य ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में नवीन जिले के कलेक्टर कार्यालय के समीप शासकीय भूमि पर कब्जा जमा लिया था। उनके द्वारा विधायक और सरकार का दबाव बनाकर ऐसा किया गया था और उसे वह भू स्वामी हक वाली भूमि के रूप में तब्दील करने में भिड़े हुए थे। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने मामले में आंदोलन किया था और उनके द्वारा शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त कराने के लिए कलेक्टर एमसीबी को ज्ञापन भी सौंपा गया था। अब चूंकि पूर्व विधायक चुनाव हार गए हैं सरकार भी बदल गई है जिसके बाद जांच कर मामले में कार्यवाही की मांग फिर उठने लगी है।

पूर्व विधायक के गृह ग्राम में भी शासकीय भूमि पर कब्जे की बात आई थी सामने,उक्त मामले में भी जांच की उठ रही मांग

भरतपुर सोनहत विधानसभा के पूर्व विधायक के गृह ग्राम में भी शासकीय भूमि पर कब्जा जमाया जा रहा था उनके कार्यकाल में ऐसी भी सूचना पूर्व विधायक के कार्यकाल में सामने आई थी आरोप लगा था। अब जब वह चुनाव हार गए हैं और सत्ता भी परिवर्तित हो चुकी है फिर एक बार मांग उठ रही है की मामले में जांच हो और कार्यवाही हो साथ ही शासकीय भूमि कब्जा मुक्त हो। नाम आता है वह मामला खुद ब खुद विवादित हो जाता है और मामले में निस्पक्षता समाप्त हो जाती है।

पत्रकारों के भी नैतिकता पर सवाल खड़ा होगा

वहीं मामला यदि सही है शासकीय भूमि पर पत्रकारों ने कब्जा किया हुआ है और उसे अपने नाम से भू-अभिलेखों में वह दर्ज कराने के प्रयास में जुटे हुए हैं तो पत्रकारों के भी नैतिकता पर सवाल खड़ा होगा की क्या उन्हे इसीलिए लोकतंत्र का चौथा स्तंभ घोषित किया गया है की वह अनैतिक लाभ अर्जित करें शासकीय भूमि पर कब्जा दर्ज करें। वैसे अब मामला तुल पकड़ चुका है और प्रशासन भी मामले में कहीं न कहीं कटघरे में है वहीं देखना है की प्रशासन मामले में क्या कार्यवाही करता है कार्यवाही करता भी है की नहीं ,कार्यवाही कर यदि प्रशासन शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त कराता है तो वह निश्चित रूप से अपनी मौजूदगी साबित करेगा वरना नवीन जिले में प्रशासन की मौजूदगी पर प्रश्नचिन्ह लगना तय है यदि भूमि कब्जा मुक्त नहीं कराया जाता।

क्या पूर्व विधायक प्रतिनिधि होना देता है अवैध कब्जे का शासकीय भूमि पर अधिकार,अनैतिक कार्यों का अधिकार ?

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने जो शिकायत जो चेतावनी पत्र नवीन जिले के कलेक्टर को दिया है जिसमे पत्रकार प्रेस क्लब अध्यक्ष साथ ही पूर्व विधायक प्रतिनिधि बतौर कई जिम्मेदारी निभा रहे एक व्यक्ति साथ ही उसके साथियों पर आरोप लगाया है की उनके द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा किया जा रहा है और शासन सत्ता का दुरुपयोग कर उसे अपने नाम से दर्ज कराने का प्रयास किया जा रहा है और यदि उसपर तत्काल कार्यवाही नही होती कब्जा खाली नहीं कराया जाता है तो पार्टी कलेक्टर कार्यालय का घेराव करेगी,अब यदि आरोप सही हैं उपलब्ध दस्तावेज यदि सही हैं और यदि यह सच है की पत्रकार बनकर, प्रेस क्लब अध्यक्ष बनकर, पूर्व विधायक प्रतिनिधि बनकर वहीं पत्रकार का साथी बनकर अवैध तरीके से शासकीय जमीन हथियाई जा रही है तो सवाल उठता है की क्या पत्रकार होना,प्रेस क्लब अध्यक्ष होना,विधायक प्रतिनिधि होना, पत्रकार का साथी होना यही सब अधिकार देता है किसी को जो अनैतिक कार्य है अनुचित कार्य है। वैसे यदि ऐसा है तो फिर आने वाले समय में गलत कार्य में पत्रकार ही सबसे ज्यादा लिप्त नजर आयेंगे और अपना मूल धर्म छोड़कर वह अनैतिक कार्य के लिए पत्रकारिता पेशे से जुड़ने प्रयास करेंगे।
वैसे यह गंभीर मामला है ।

क्या प्रशासन कब्जा मुक्त कराएगा उस शासकीय भूमि को जिसको लेकर शिकायत मय सबूत दी गई है,क्या प्रशासन अपनी उपस्थिति भी साबित करेगा ?

मामले में दूसरा बड़ा सवाल यह है की क्या जिस शासकीय भूमि पर अवैध रूप एस कब्जे की बात गोंडवाना गणतंत्र पार्टी कर रहा है जिस मामले में वह प्रेस क्लब अध्यक्ष,विधायक प्रतिनिधि पत्रकार और उसके साथियों पर आरोप लगा रहा है क्या उस भूमि को प्रशासन कब्जा मुक्त कराएगा। क्या प्रशासन अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा मामले में साथ ही जिले की संपत्तियों की सुरक्षा मामले में जिसमे भूमि संपत्तियों की सुरक्षा उसी की जिम्मेदारी है या प्रशासन प्रेस क्लब अध्यक्ष, विधायक प्रतिनिधि, पत्रकार और उसके साथियों के समक्ष घुटने टेक देगा और आत्मसमर्पण कर देगा यह देखने वाली बात होगी। वहीं यदि प्रशासन मामले में कार्यवाही नही करता है तो गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का आंदोलन कार्यालय घेराव का भी होगा जो प्रशासन के हिसाब से उसकी छवि के लिए शायद ही अच्छी मानी जायेगी।

पत्रकारों को भी करना चाहिए आत्म चिंतन,अनैतिक अवैध कार्यों के लिए नहीं मिली है यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

पत्रकारों को भी आत्म चिंतन की जरूरत है उन्हे समाज में वह जिम्मेदारी मिली है उनके तरफ समाज उस निगाह से देखता है जहां समाज को विश्वास होता है की उसके साथ कुछ गलत होने पर उसकी आवाज पत्रकार बनेंगे उसे न्याय दिलाएंगे वहीं यदि पत्रकार ही अनैतिक कार्यों में अनुचित कार्यों में संलिप्त होंगे उनकी विश्वशनीयता समाप्त होगी और उनके प्रति लोगो का विश्वास कम होगा और लोग उन्हे हेय दृष्टि से देखेंगे ऐसे में अब आत्म चिंतन कर उन्हे यह समझने की कोशिश करनी चाहिए की अनैतिक लाभ से उन्हे क्षणिक सुख सम्पन्नता ज़रूर मिल पा रही है है लेकिन उनका सम्मान उस बीच समाप्त हो रहा है लोगों के बीच से जो अच्छा संकेत नहीं है,वहीं पत्रकार जगत को ऐसे लोगों से किनारा करना चाहिए जो इस पेशे को अनैतिक लाभ का पेशा साबित कर रहे हैं।

जिस मुद्दे पर गुलाब ने साधी थी चुप्पी, रेणुका ने शपथ लेते ही कराई कार्यवाही

भरतपुर क्षेत्र अवैध में रेत कारोबारियों का बना हुआ था गढ़

» रेत के अवैध भंडारण पर हुई कार्यवाही,चुनाव प्रचार में रेणुका सिंह ने किया था जनता से वादा,अब निभाया...

-रवि सिंह-
एमसीबी 21 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)। यदि जनप्रतिनिधी जनता का हित चाहने वाला हो, कुछ करना चाहता हो उसकी कुछ सोच हो तो कुछ भी काम संभव है, यह अल्प समय में ही कर दिखाया है भरतपुर सोनहत क्षेत्र से नव निर्वाचित रेणुका सिंह ने। उन्होने चुनाव प्रचार के दौरान क्षेत्र की जनता से रेत का अवैध परिवहन रोकने का वादा किया था, और उस अवैध कार्य में लगे कारोबारियों समेत उनके संरक्षको को भी रेणुका सिंह ने मंच से ललकारा था अब विधायक बनते ही रेणुका सिंह के आदेश के बाद कलेक्टर ने अवैध भंडारण करने वाले रेत कारोबारी के खिलाफ कार्यवाही कराई है,जिससे कि कारोबारियों में हडकंप मचा हुआ तो वहीं रेणुका सिंह के इस कदम की प्रशंसा भी हो रही है,भरतपुर क्षेत्र में रेत कारोबारियों के आंतक से प्रताड़ित आमजनों ने भी विधायक रेणुका सिंह के काम की तारीफ की है,तो वहीं उनका कहना है कि पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने रेत के मामले में चुप्पी साध रखी थी लेकिन रेणुका सिंह ने सख्त कदम उठाया है तो तारीफ के लायक है।

रेत का कारोबार बना था चुनावी मुद्द

उल्लेखनीय है कि भरतपुर क्षेत्र पिछले कई वर्षो से अवैध रेत कारोबारियों का गढ बना हुआ है,पिछले बार सत्ता के संरक्षण में पूरे पांच वर्ष

रेत का काला कारोबार इस क्षेत्र में देखने को मिला है,प्रभावित क्षेत्रवासियो ने कई बार रेत का कारोबार रोकने के लिए आंदोलन भी किया था,आए दिन इस क्षेत्र में विवाद की स्थिति बन रही थी। ग्रामीण जन रेत का कारोबार रोकने कई बार मांग कर रहे थे लेकिन तात्कालिक विधायक की चुप्पी के कारण कारोबारियों के हौसले बुलंद थे। संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भी भरतपुर क्षेत्र में रेत का कारोबार एक अहम मुद्दा था, भाजपा प्रत्याशी रेणुका सिंह ने भी हर मंच से इस मुद्दे को बार-बार उठाया था जिससे कि जनता का भरपूर समर्थन रेणुका सिंह को मिला था। इस मुद्दे पर कार्यवाही के बाद विधायक रेणुका सिंह ने अपने सोशल मीडिया में चुनावी प्रचार अभियान का एक वीडियो डाला है जिसमें उनके द्वारा तात्कालिक विधायक गुलाब कमरो पर आरोप लगाया जा रहा है कि जब गुलाब कमरो विधायक नही थे तो रेत वाहनो के आगे सो जाया करते थे कि बालू नही ले जाने दूंगा लेकिन विधायक बनने के बाद वहीं बालू माफियाओ का पार्टनर बन गया। लेकिन पत्रकार पूछ रहे थे कि आप विधायक बनेंगी आपकी सरकार बनेगी तो आप क्या करेंगी मैने कहा है कि जनता जो बोलेगी वह रेणुका सिंह करेगी जनता बोलेगी कि रोक दो तो बालू ले जाने वाले वहीं गाड़ी खड़ी कर देंगे किसी माई के लाल में इतना दम नही होगा कि जनता के भावनाओं के खिलाफ काम करेंगे,सारे बालू माफियाओ का काम रोक दिया जाएगा। अब विधायक बनने के बाद विधानसभा में शपथ लेते ही रेणुका सिंह ने कलेक्टर को निर्देश दिया और कार्यवाही की गई है।

अवैध रेत भंडारण पर हुई कार्यवाही

एमसीबी कलेक्टर नरेंद्र दुग्गा को विधायक रेणुका सिंह ने तत्काल रेत कारोबारियों पर कार्यवाही करने का निर्देश दिया था जिसके बार हरकत में आए प्रशासन ने भंडारण करने वाले शिवम सिंह नामक व्यक्ति के खिलाफ कार्यवाही की है। बतलाया जाता है कि भरतपुर विकासखंड

के ग्राम बड़वाही में खनिज विभाग ने खनिज अधिनियम 1957 व छत्तीसगढ गौण खनिज नियम 2015 के तहत कार्यवाही करते हुए 2 लाख 5 हजार रूपये का जुर्माना लगाया है। प्रदेश में सरकार और क्षेत्र में विधायक बदलते ही शुरू हुई कार्यवाही से अब रेत माफियाओ में हडकंप मचा हुआ है भरतपुर क्षेत्र में रेत का अवैध कारोबार पिछ्ले कई वर्षो से फल फूल रहा था लेकिन यह पहली बार कार्यवाही हुई है।

विरोध में कोरिया भाजपा ने राहुल गांधी और टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी का किया पुतला दहन

बैकुंठपुर 21 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)। देश के सबसे बड़े लोकतंत्र का मंदिर कहे जाने वाले संसद पर विराजमान दूसरा सबसे बड़ा संवैधानिक पद देश के उप राष्ट्रपति का होता है। जिसकी मर्यादा देश के हर नागरिक को रखना पड़ता है।परंतु विगत दिनों संसद से बाहर निकाले गए सांसदों द्वारा किए जा रहे प्रदर्शन के दौरान तृण मूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा महामहिम उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पर हास्यप्रद व अट्टहास भरी मिमिक्री की गई और जिस पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के द्वारा उक्त सांसद की हरकतों का वीडियो बनाकर वीडियो के माध्यम से महामहिम उप राष्ट्रपति महोदय का मजाक बनाया गया जो देश के बड़े संवैधानिक पद की गरिमा और मर्यादा के खिलाफ बहुत ही शर्मनाक हरकत रही । और जिस घटना के बाद से देश का हर वर्ग इस हरकत की कड़ी निन्दा करता देखा जा रहा है। और राहुल गांधी,सांसद कल्याण बनर्जी सहित संसद से बाहर खदेड़े गए सैकड़ों सांसदों पर देश का गुस्सा फूट पड़ा है। आपको बता दें कि भारत के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पर अमर्यादित हरकत से जहां एक ओर पूरा देश गुस्से में है तो वहीं एनडीए सांसदों ने इसे शर्मनाक करतूत बताया है।और जिसे लेकर आज दिनांक 21 दिसंबर को भारतीय जनता पार्टी कोरिया ने महामहिम उप राष्ट्रपति पर किए गए अमर्यादित हरकत का विरोध करते हुए प्रदेश भाजपा के आह्वान पर और भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में राहुल गांधी और टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी का पुतला दहन किया गया और जिला मुख्यालय के आम शहरियों सहित बड़े पैमाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी मुर्दाबाद राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाए। पुतला दहन में कोरिया जिले के भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल,जिला महामंत्री पंकज गुप्ता,जिला उपाध्यक्ष शैलेश शिवहरे,कमलेश यादव,कार्यालय प्रभारी भानू पाल,जिला संवाद प्रमुख विमल गुप्ता,लव कुमार,प्रखर गुप्ता,आशीष यादव,मंडल अध्यक्ष कुबेर साहू, सलका मंडल अध्यक्ष गोपाल राजवाड़े,मंडल अध्यक्ष प्यारे साहू,मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र साहू,अनिल राजवाड़े,संतोष राजवाड़े,सोनालाल राजवाड़े,राजेश साहू,शेख इरशाद,अजय तिवारी,आशीष रॉबर्ट,अभिषेक काशी सहित आम नागरिक उपस्थित रहे।

CMYK

देवरी व जजावल मे हुआ विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन

जनपद पंचायत प्रतापपुर के अध्यक्ष जगत लाल आयाम हुए शामिल

» कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दीपिका नेताम दिलाए विकसित भारत यात्रा की शपथ

-संवाददाता-
प्रतापपुर,21 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आज ग्राम पंचायत जजावल व ग्राम पंचायत देवरी में जनपद पंचायत प्रतापपुर के अध्यक्ष जगत लाल आयाम व सभी विभागों के अधिकारियों ने उपस्थित में संपन्न हुआ कार्यक्रम में उपस्थित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दीपिका नेताम ने उपस्थित लोगों को विकसित भारत संकल्प यात्रा का शपथ दिलाया ग्रामीणों को भारत सरकार द्वारा राज्यों के साथ भागीदारी से लक्षित एवं पात्र लाभार्थियों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने के लिए प्रमुख योजनाएं जैसे- स्वच्छता सुविधाएं, आवश्यक वित्तीय सेवाएं, एलपीजी कनेक्शन तक पहुंच, गरीबों के लिए आवास, खाद्य सुरक्षा, उचित पोषण, विश्वसनीय स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छ पेयजल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व अन्य योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए कई योजनाओं के लाभ भी प्रदान किए। जिनमें स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच कर दवाओं का वितरण, आयुष्मान कार्ड, खाद्य विभाग द्वारा एलपीजी कनेक्शन, जनपद पंचायत प्रतापपुर द्वारा राशनकार्ड वितरण करने सहित ग्रामीणों को अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। इस दौरान महीला बाल विकास विभाग द्वारा उपस्थित महिलाओं की गोद भराई छोटे बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी किया गया ।

उज्जवला योजना के तहत गैस सिलेंडर और चूल्हा का भी वितरण किया गया

कार्यक्रम मे जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिव भजन सिह मराबी जनपद सदस्य रामनरेश सिह सीता सिह कृष्ण सिह घाट पेंडारी के सरपंच दल साय मराबी रामदयाल नेताम सहायक संचालक कृषि डी एस पैकरा पांडू राम पैकरा कृषि वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र अजरीमा सीईओ पारस पैकरा एस डी ओ आरईएस लवली चौधरी प्रभारी महिला बाल विकास अधिकारी संतोषी सिह पशु चिकित्सक विवेक पैकरा नया तहसीलदार राधेश्याम तिर्की पंचायत निरिक्षक राधे लाल पैकरा इंजिनियर बृजेश सिंह सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे

एसईसीएल के अफसर समेत आठ लोगों को बंधक बनाकर ग्रामीणों ने पीटा

-राजा मुखर्जी-
कोरबा,21 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)। जिले के कुसमुंडा खदान में अधिग्रहित ग्राम जटराज की भूमि में स्थित मकानों की नापी करने पहुंचे अधिकारी व कर्मचारियों को नाराज ग्रामीणों ने बंधक बना लिया। इस दौरान उनकी जमकर भी पिटाई भी कर दी गई। प्रबंधन या पुलिस तक मामला पहुंचता, इससे पहले ही ग्रामीण बंधक बनाए गए सभी आठ लोगों को गांव में कदम नहीं रखने की धमकी देते हुए छोड़ा। साथ ही यह भी चेतावनी दी कि यदि दोबारा नजर आ गए तो गला काट देंगे। शिकायत होने पर पुलिस ने सात नामजद ग्रामीण समेत 40 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की कुसमुंडा खदान में जटराज समेत आसपास के ग्राम की भूमि अधिग्रहित की गई है। इन ग्रामों की जमीन में बने मकान की नापी करने पेड़ पौधों की गणना भी की जाती है, ताकि उसके आधार पर मुआवजा प्रदान किया जा सके। वर्तमान में कुसमुंडा खदान ग्राम जटराज की ओर बढ़ रही है, इसलिए एसईसीएल प्रबंधन द्वारा ग्राम की जमीन में स्थित मकानों की नापी मकान स्वामियों के आवेदन पर कर रहे हैं। कायदों को ताक में रख कार्रवाई करने से जटराज के ग्रामीण नाराज थे। बुधवार को भी कुसमुंडा से मकान नापी करने के लिए उप महाप्रबंधक सर्वे एनके सोनी, वरिष्ठ सर्वेक्षक रमेश पटेल, वरिष्ठ सर्वेयर एलपी जांगड़े, केटेगरी वन कर्मी आदित्य राज व प्रकाश ग्राम जटराज पहुंचे थे। पटवारी के नहीं आने पर एसईसीएल की टीम इंतजार करते हुए ग्राम में खडी थी। तभी जोगी राम पटेल, मोहन पटेल, राजेंद्र पटेल, भारत पटेल, रामाधार पटेल, पतिराम पटेल, काशीराम पटेल समेत 40 ग्रामीण अधिकारियों के पास पहुंच गए और चारों तरफ से भीड़ ने घेर लिया। ग्रामीणों ने बंधक बना कर कहा कि अपने वरिष्ठ अधिकारियों को बुलाओ, तभी कार्य करने देंगे। इस पर उपस्थित एनके सोनी ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की जानकारी देते हुए स्थल पर बुलाया। सूचना मिलते ही उप प्रबंधक (खनन) उज्जवल बनर्जी गांव पहुंचे, तो ग्रामीणों ने उन्हें गाड़ी से उतार कर जमीन में पटक दिए और पीटने लगे।उनके पीछे-पीछे वरिष्ठ प्रबंधक खनन विजेंद्र श्रीवास्तव व वरिष्ठ अधिकारी एस दुबे भी गांव पहुंच गए, तब जोगी राम पटेल समेत अन्य ग्रामीणों ने उनको भी लात घूंसों से जमकर पीटा। इस घटना में तीनों को गंभीर रूप से अंदरुनी चोटें आई है। शिकायत करने वाले अधिकारियों का कहा है कि बवाल मचाने वाले ग्रामीणों ने जान से मारने व सिर काट कर पूरे क्षेत्र में घूमाने की धमकी दी। इससे सर्वे टीम के अधिकारी- कर्मचारियों में भय व्याप्त हो गया है। घटना को लेकर कुसमुंडा के कर्मियों में नाराजगी देखी जा रही। मारपीट की घटना के बाद अधिकारी- कर्मचारी किसी तरह वापस कुसमुंडा कार्यालय पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी। इसके साथ ही घटना की रिपोर्ट संयुक्त रूप से एनके सोनी, उज्जवल बनर्जी, विजेंद्र श्रीवास्तव, एस दुबे, रमेश पटेल एलपी जांगड़े, आदित्य राज व प्रकाश सिंह ने लिखित में कुसमुंडा पुलिस के समक्ष दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में जोगी राम पटेल, मोहन पटेल, राजेंद्र पटेल, भारत पटेल, रामाधार पटेल, पतिराम पटेल, किरूराम पटेल समेत अन्य ग्रामीणों के विरूद्ध 342, 147, 323, 506, 186, 353 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया है।

लटकते वाटर एटीएम मशीन पर दया करे जिम्मेदार...

-संवाददाता-
कुसमी,21 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)। नगर पंचायत कुसमी में तहसील के पास लगा वाटर एटीएम मशीन कब गिर जाए यह कहा नही जा सकता, कुसमी शहर वासी तो देखकर समझ सकते है की हम जमीन पर लगे वाटर एटीएम को गिरने की बात क्यूं लिख रहे हैं लेकिन कुसमी बाहर के लोग यह तस्वीर देख आप भी कह सकते है की वाकई यह कभी भी गिर सकता है क्योंकि एक तरफ से गड्ढे किय गए है जिससे लटकता हुआ वाटर एटीएम दिख रहा है यह एक दो दिन या माह भर से ऐसा नहीं बल्कि साल भर से उपर हो चुका है, वाटर एटीएम की लटकने का यह मामला ,दरसल कुसमी शहर पहाड़ पर बसा हुआ जिससे की ऐसी स्थिति निर्मित हुई है,वही जानकारी के मुताबिक वाटर एटीएम के पीछे किसकी की निजी जमीन है और उस जमीन को सड़क के लेबल में लाया गया जिसके बाद वाटर एटीएम लटकता हुआ दिख रहा है लेकिन उसे अबतक हटाकर कही और जगह पर सिफ्ट नही किया गया ,दुर्गा चौक के पास नगर पंचायत ने वाटर एटीएम रखने के लिय जगह बनाया है जिस जमीन पर स्थान बना है वो जमीन किसी का निजी जमीन होना बताया जा रहा है ,वही नगर पंचायत के सीएमओ नारायण साहू ने इस मामले में बताया कि वाटर एटीएम मशीन को एक जगह से दुसरे जगह ले जाकर चालु करने के लिय नगर पंचायत के द्वारा किसी कंपनी को कहा गया है और कई बार सीएमओ ने पत्र लिखकर कंपनी को जल्द वाटर एटीएम को सिफ्ट कर चालु करने का आग्रह किया लेकिन उक्त कंपनी ने अभितक इस कार्य को नही किया वही जहां पर नगर पंचायत वाटर एटीएम को लगाना चाहती हैं वो दुर्गा चौक मुख्य सड़क से लगा हुआ है अस्पताल नजदीक है साथ ही वार्ड 2,3,4,5 और यानी चार वार्डो के लोगो को इसका लाभ मिल सकता है साथ ही मरीज के परिजनों को भी लाभ मिल सकता है जब वाटर एटीएम मशीन दुर्गा चौक में लगे तब की स्थिति में , कुसमी अस्पताल पारा के ज्यादातर लोग नगर पंचायत के द्वारा संचालित नल जल योजना के जरिए ही पानी लेते हैं घाट पहाड़ वाली जगह होने की वजह से लोग इसी पानी पर निर्भर कभी किसी कारण वश पानी सप्लाई नहीं होता है तो लोगो को साफ पानी के लिय सोचना पड़ता है,जिन लोगों को यह जानकारी है की साफ जल ही स्वाथ्य के लिय लाभ दायक होता है वे लोग साफ पानी ही पीना चाहते हैं और जनता ने कई बार हम पत्रकारों के जरिए भी अपनी मांग रखती है,लोगो का यह भी कहना है अगर वाटर एटीएम मशीन यहा पर लग जायेगी तो हम मशीन के जरिए ही पीने का साफ पानी लेंगे ,कुसमी बस स्टैंड में लगे वाटर एटीएम महीन थोड़ी दुर हैं और बहुत भीड़ भाड़ रहता है जिसके वजह से वहा से पानी लाने में दिक्कत होती है,बरहाल जिम्मेदार लोगो को खबर के जरिए जनता की मांग और शासकीय सम्पत्ति कही गिर कर खराब न हो जाए यह जानकारी खबर के जरिए हमने तो रख दी है अब देखना होगा की जिम्मेदार कब सुध लेंगे लटकते वाटर एटीएम की या फिर वाटर एटीएम मशीन गिरकर किसी काम का नही रहेगा यह देखने को लोगो को मिलेगा।

महाविद्यालय में उद्यमिता विकास पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

-संवाददाता-
जशपुर,21 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)। जिला मुख्यालय स्थित शासकीय राम भजन राय एन. ई. एस. स्नातकोत्तर महाविद्यालय जशपुरनगर एवं राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान(निफ्टेम) कुंडली,हरियाणा के संयुक्त तत्वाधान में ÷खाद्य प्रसंस्करण और खाद्य क्षेत्र में उद्यमिता विकास÷ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला एवं इंटर्नशिप (प्रशिक्षण) कार्यक्रम का आयोजन अर्थशास्त्र परिषद ,अर्थशास्त्र विभाग द्वारा किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विजय रक्षित ने अपने उद्बोधन में कहा कि खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में स्टार्टअप के लिए बहुत अवसर है। प्राकृतिक संपदा से समृद्ध जशपुर में खाद्य प्रसंस्करण उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ा जा सकता है। जशपुर के युवा वैज्ञानिक, खाद्य प्रसंस्करण सलाहकार एवं उद्यमी समर्थ जैन की उपलब्धियों को बताते हुए छात्र-छात्राओं को उनसे आवश्यक मार्गदर्शन लेकर इस दिशा में आगे बढ़ने को कहा। स्रोत पुरुष श्री कवच भगत कृषि जशपुर ने खाद्य प्रसंस्करण के ऐतिहासिक पक्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खाद्य प्रसंस्करण 19वीं सदी से हुआ। इसका उपयोग सबसे पहले सेनाओं के द्वारा शुरू किया गया और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान व्यापक स्तर पर उपयोग में लाया जाने लगा। भारत में इसकी शुरुआत 1960 के दशक में होता है। उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों में गुणवत्ता वृद्धि कर ÷आम को खास और लोकल को ग्लोबल÷ बनाया जा सकता है। जिससे स्थानीय उत्पाद एक ब्रांड के रूप में स्थापित हो सके। जशपुर में उपजने वाले खाद्य पदार्थों के विषय में बताते हुए कहा कि यहां की जलवायु में फलों और सब्जियों के उत्पादन की पर्याप्त संभावनाएं हैं। खाद्य पदार्थों का अच्छे से पैकेजिंग करके प्रभावी तरीके से एडवर्टाइजमेंट कर उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ा जा सकता है। अगले स्रोत पुरुष डॉ प्रसन्न कुमार जीवी ने स्थानीय खाद्यान्न को वैश्विक उद्यमिता के मंच में स्थापित करने के लिए ÷लोकल से वोकल÷पर जोर दिए। उन्होंने उद्यमिता विकास के लिए बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर पीएमएफएमई सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना के तहत 10 लाख की सहायता राशि व इस पर 3.50 लाख की सब्सिडी दी जाती है। निफ्टेम के रिसर्च स्कॉलरो ने भी खाद्य प्रसंस्करण और उद्यमशीलता के विषय में विस्तार से जानकारी दिए। उन्होंने इस युग को हरित क्रांति, दूध क्रांति के पश्चात खाद्यान्न प्रसंस्करण क्रांति का युग कहा। इन्होंने बाजार के अनुरूप खाद्य पदार्थों में गुणवत्ता बढ़ाने की विधि व उनको लंबे समय तक कैसे सुरक्षित रखें इस पर चर्चा किए। उद्यमशीलता के विषय में बताते हुए कहा कि आवश्यक दस्तावेजों के माध्यम से कंपनी का रजिस्ट्रेशन एवम ट्रेडमार्क प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दिए।

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा 22 दिसंबर को किया जाएगा धरना प्रदर्शन

-संवाददाता-
कोरबा,21 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण एवं शहर द्वारा दिनांक 22 दिसम्बर 2023 को प्रातः 11 बजे से टी पी नगर चौक पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया है। उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष द्वय श्रीमती सपना चौहान एवं सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल ने बताया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने देश की लोकतंत्र पर अभूतपूर्व हमला करते हुए संसद के दोनों सदनों से विपक्ष के 142 सांसदों को निलंबित कर दिया है। इसके विरोध देश भर में 22 दिसम्बर को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जावेगा। अध्यक्ष द्वय ने जिला कांग्रेस कमेटी, सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, ब्लॉक कांग्रेस, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, पार्षदगण, सेवादल, जनप्रतिनिधिगण, विधायक प्रत्याशी, पार्षद प्रत्याशी, वार्ड, बूथ कमेटी सहित सभी संगठन, प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों को समय पर उपस्थित होने आग्रह किया है।

धर्म सेना द्वारा धर्मांतरित परिवारों का पांव धोकर हिंदू धर्म में कराया जाएगा वापसी

संवाददाता-
कोरबा,21 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)। धर्म सेना हिंदू संगठन है जो मुख्य रूप से हिंदुत्व के प्रचार-प्रसार के साथ ही धर्मांतरण रोकने का कार्य करता है। इसी सिलसिले में जिले के कटघोरा के सांस्कृतिक भवन में रविवार 24 दिसंबर को धर्मांतरण कर चुके परिवारों की घर वापसी कार्यक्रम सह समाज प्रमुख सम्मान समारोह आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में हिंदू धर्म से दूसरे धर्म में गए 101 परिवारों की घर वापसी कराया जायेगा। यह उक्त जानकारी कोरबा प्रेस क्लब के तिलक भवन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान धर्म सेना के बिलासपुर विभाग अध्यक्ष विष्णु पटेल ने दी। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय घर वापसी प्रमुख एवं धर्म सेना छत्तीसगढ़ के प्रदेश संरक्षक प्रबल प्रताप सिंह जूदेव एवं हिंदू वाहिनी के राष्ट्रीय सह सचिव कौशलेंद्र सिंह की उपस्थिति में आयोजित घर वापसी कार्यक्रम में हिंदू धर्म से दूसरे धर्म में गए लोगों के पैर धोकर पूरे हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार उनकी घर वापसी कराई जाएगी,जिसकी पूरी तैयारी की जा चुकी है। विष्णु पटेल के अनुसार वर्तमान में हिंदू धर्म के लगभग प्रत्येक समाज के लोग धर्मांतरण के जाल में फंसकर धर्मांतरित हो रहे हैं इसलिए पहली बार कार्यक्रम के दौरान सभी जिले में निवासरत सभी हिंदू समाज के दो-दो प्रमुख लोग भी आमंत्रित किए गए हैं। घर वापसी कार्यक्रम से जुड़कर हिंदू धर्म में परिवारों की वापसी के लिए अहम भूमिका निभाने वाले समाज प्रमुखों को सम्मानित किया जाएगा। कोरबा जिले में हिंदूवादी से जुड़े 17 संगठन हैं उन्हें भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है, जिनका कार्यक्रम में सम्मान किया जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान धर्म सेना के संरक्षक दीपक सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र बहादुर सिंह समेत बिलासपुर विभाग अध्यक्ष विष्णु पटेल, जिला अध्यक्ष सकेत शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी नवीन गोयल, जिला मंत्री सेंटी गर्ग, जिला प्रशासनिक प्रमुख सदानंद राठौर व जिला महामंत्री नरेश राजपूत भी मौजूद थे।

ऑपरेशन घर वापसी चला रहे प्रबल प्रताप जूदेव

धर्म सेवा के जिला मीडिया प्रभारी नवीन गोयल ने बताया कि धर्म सेना छत्तीसगढ़ के प्रदेश संरक्षक प्रबल प्रताप सिंह जूदेव अपने पिता दिवंगत भाजपा नेता दिलीप सिंह जूदेव की तरह हिंदू धर्म छोड़कर दूसरे धर्म में गए परिवारों की विधि विधान से पैर धोकर हिंदू धर्म में वापसी के लिए ऑपरेशन घर वापसी चला रहे हैं। धर्म सेना के साथ चल रहे इस ऑपरेशन में अब अन्य हिंदू संगठन भी जुड़ रहे हैं। कोरबा जिले में पहली बार वृहद पैमाने पर घर वापसी का कार्यक्रम आयोजित हो रहा है।

प्रलोभन देकर कराया जा रहा लोगों का धर्मांतरण

धर्म सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि पहले पिछड़े क्षेत्र के लोगों का ही धर्मांतरण हो रहा था लेकिन पिछले कुछ वर्षों के दौरान धर्मांतरण तेजी से बड़ा और शहरी क्षेत्र में हिंदू धर्म के सभी समाज के लोग धर्मांतरण के शिकार होने लगे धर्मांतरण की मुख्य वजह संबंधित धर्म के लोगों द्वारा प्रलोभन देना है। अब ऐसे परिवारों के हिंदू धर्म में वापसी के लिए घर वापसी कार्यक्रम चलाया जा रहा है। कोरबा में लगातार दूसरे धर्म में गए लोगों को समझा बुझाकर उनकी घर वापसी कराई जाएगी।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरि प्रसाद टोप्पो स्व0 एतवा निवासी लक्ष्मीपुर थाना अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के (पिता) आ0 मृत्यु की दिनांक 5/03/1997 को स्थान निवास में हुई है। आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयन नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनांक 14/12/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
सील अम्बिकापुर,सरगुजा छ.ग.

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202312020700127

विषयः- अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2023-2024

नमना कला प.ह.न. 00020 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-दिनेश साहू ,
अनावेदक पक्षकार- सुखमेन

ईश्तहार

आवेदक दिनेश साहू आ0 श्यामलाल साहू, निवासी कन्या परिसद रोड, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 28/2, रकबा 0.273 हे0 भूमि के वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन पत्रःप्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 08/01/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15/12/2023 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
सील तहसील-अम्बिकापुर

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा) रामानुनगर, जिला-सूरजपुर, (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./..../अ-2/2023-24
ग्राम-कैलाशपुर,तहसील-रामानुजनगर

ईश्तहार

एतद्द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-पंचायत कैलाशपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री रामलखन आ0 रामबरन जाति तेली निवासी ग्राम-कैलाशपुर तहसील रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा उनके स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम-कैलाशपुर, प.ह.नं.-15,रा.नि.मं.-देवनगर, तहसील रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) स्थित भूमि खसरा क्रमांक 202/3 रकबा 0.100 में से 0.04 हे0 को कृषि प्रयोजन से आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा आवेदन पत्र के साथ बी-1, खसरा, नक्शा, शपथ-पत्र, सरगुजा स्टेट सेटलमेंट की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिध के माध्यम से दिनांक 22/01/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं/ उसके पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 20.12.2023 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्ष से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी रा.
रामानुजनगर,
सील जिला सूरजपुर (छ0ग0)

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा) सूरजपुर,जिला सूरजपुर, (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./..../अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद्द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री विजय कुमार साहू आ0 केशव प्रसाद साहू, जाति तेली, निवासी ग्राम पोड़ी, तहसील रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा उनके स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम-सूरजपुर, प.ह.नं.-11,रा.नि.मं.-सूरजपुर, तहसील सूरजपुर, स्थित स्वयं के खाते की भूमि खसरा क्रमांक 1413/3 रकबा 0.022 में से 0.012 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिये भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिध के माध्यम से दिनांक 29/12/2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं/ उसके पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 20.12.2023 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्ष से जारी किया गया।

विशेष कर्तत्याधिकारी
सील भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा, छ0ग0

रा0प्र0क्र0/.../अ-20(3)/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक विकास गर्ग आ0 विष्णु प्रताप अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी सेठ बसंत लाल मार्ग अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला बाबूपारा (मौलबी बांध) नगर अम्बिकापुर शीट नंबर-09 स्थित नजूल प्लाट नंबर 3467/4866/183 में से रकबा 25x50=1250 वर्गफीट को अनावेदक सुभम तायल आ0 विजय तायल जाति अग्रवाल निवासी सेठ बसंत लाल मार्ग अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर,जिला सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 10/01/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 21/12/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
सील अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202312020700043

विषयः- ब-121 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2023-2024
फुन्दुरडिहारी प.ह.न. 00016 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-रामदास उरांव,
अनावेदक पक्षकार- पादा पहड़ा कुडुख समाज

ईश्तहार

आवेदक रामदास उरांव आ0 स्व0 रणाराम व अन्य, निवासी फुन्दुरडिहारी, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित खसरा नंबर 231/3, 231/4 रकबा क्रमशः 0.032,0.052 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में आवेदकगण का नाम त्रुटिवश दर्ज होने से छुट गया है जिसे सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22/01/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्त कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12/12/2023 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
सील अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0

रा0प्र0क्र0/.../अ-20(3)/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक विषेक गुप्ता आ0 रामचन्द्र गुप्ता निवासी सदर रोड अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला-बरेजपारा नगर अम्बिकापुर शीट नंबर-08 स्थित नजूल प्लाट नंबर 2602/145 कुल रकबा 905.19 वर्गफीट भूमि को अनावेदक विरेन्द्र सोनी आ0 गुलाब चंद सोनी निवासी मस्जिदपारा प्रतापपुर थाना व तहसील प्रतापपुर जिला-सूरजपुर छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 08/01/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/12/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
सील अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0

रा0प्र0क्र0/.../अ-20(3)/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका कमला देवी पत्नी स्व0 सतीश कुमार अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी डा0 जातिकर हुसैन वार्ड प्रतापपुर तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर छ0ग0, के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला राम मंदिर मैदान नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर 11 क स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3196/4813/5 रकबा 0.03 1/2, एकड़ भूमि को बैक में बंधक रखकर ऋण प्राप्त करने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मेंटनेंस खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 08/01/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12/12/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
सील अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0

रा0प्र0क्र0/.../अ-20(3)/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका गीता विश्वकर्मा पत्नी अजय कुमार विश्वकर्मा जाति लोहार निवासी भट्ठी रोड त्रिकोण चौक अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला केदारपुर नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर -3 क स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1126/5,/1127/5 रकबा क्रमशः 0.01 एकड़ भूमि को अनावेदक सौरभ गोस्वामी आ0 स्व0 श्याम गोस्वामी जाति गोसाई निवासी गुदरी चौक विजय मार्ग अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 10/01/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 21/12/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
सील अम्बिकापुर

CMYK

बृज भूषण के सहयोगी के डब्ल्यूएफआई प्रमुख चुने जाने के बाद रो पड़ीं साक्षी मलिक

नई दिल्ली,21 दिसंबर 2023। ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक, जो यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के विरोध का चेहरा थीं, ने गुरुवार को घोषणा की कि वह उनके सहयोगी संजय सिंह के महासंघ के अध्यक्ष चुने जाने के बाद कुश्ती छोड़ रही हैं।

राष्ट्रीय राजधानी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करने के बाद कार्यक्रम स्थल से बाहर निकलते समय साक्षी मलिक व्याकुल और भावुक होकर रोने लगीं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुश्ती छोड़ने के अपने फैसले की घोषणा करते समय उन्होंने अपने जूते मेज पर रख दिए। उन्होंने कहा, हम 40 दिनों तक सड़कों पर सोए और देश के कई हिस्सों से बहुत सारे लोग हमारा समर्थन करने आए। अगर बृज भूषण सिंह के बिजनेस पार्टनर और करीबी सहयोगी को डब्ल्यूएफआई का अध्यक्ष चुना जाता है, तो मैं कुश्ती छोड़ दूंगी।÷ उनके साथ कुछ अन्य पहलवान भी थे जो विरोध प्रदर्शन का हिस्सा थे।

हमने महिला अध्यक्ष की मांग की है। अगर अध्यक्ष महिला होगी तो उत्पीड़न नहीं होगा। लेकिन, पहले महिलाओं की भागीदारी नहीं थी और आज आप सूची देख सकते हैं, एक भी महिला को पद नहीं दिया गया। उन्होंने कहा, हम पूरी ताकत से लड़े थे लेकिन यह लड़ाई जारी रहेगी। नई पीढ़ी के पहलवानों को लड़ना होगा।

विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों की पदक विजेता विनेश फोगाट ने भी गहरी निराशा व्यक्त की और कहा कि कुश्ती का भविष्य अंधकारमय है और पहलवान अभी भी लड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा, बहुत कम उम्मीदें हैं लेकिन हमें उम्मीद है कि हमें न्याय मिलेगा। यह दुखद है कि कुश्ती का भविष्य अंधकार में है। हम अपना दुख किसे बताएं? हम प्रशिक्षण के दौरान भी लड़ रहे हैं।

संजय सिंह को गुरुवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) का नया अध्यक्ष चुना गया। साल की शुरुआत में कई बार स्थगन के बाद गुरुवार को भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव हुए।

संजय सिंह के नेतृत्व वाले पैनल ने डब्ल्यूएफआई चुनाव जीता। दूसरे पैनल को सात वोट मिले. सिंह ने संवाददाताओं से कहा, राष्ट्रीय शिविर (कुश्ती के लिए) आयोजित किए जाएंगे। जो पहलवान राजनीति करना चाहते हैं वे राजनीति कर सकते हैं, जो कुश्ती करना चाहते हैं वे कुश्ती करेंगे।संजय सिंह ने डब्ल्यूएफआई की पिछली कार्यकारी परिषद में कार्य किया था। 2019 से, उन्होंने राष्ट्रीय महासंघ के संयुक्त सचिव के रूप में भी काम किया है।डब्ल्यूएफआई चुनाव मूल रूप से 12 अगस्त को होने वाले थे। हालांकि, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने अगस्त में एक याचिका पर सुनवाई करते हुए डब्ल्यूएफआई चुनावों पर रोक 25 सितंबर तक बढ़ा दी। महासंघ के चुनाव, जो देखरेख करते हैं देश में कुश्ती की शुरुआत इस साल जून में करने की योजना थी।

इस महीने की शुरुआत में, बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक ने डब्ल्यूएफआई चुनावों पर चर्चा के लिए केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से राष्ट्रीय राजधानी में उनके आवास पर मुलाकात की।

मंत्री से मुलाकात करने वालों में साक्षी के पति सत्यव्रत कादियान भी शामिल थे, जो खुद एक पहलवान हैं। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए पहलवानों ने कहा कि उन्हें आश्वासन दिया गया है कि सरकार अपना वादा निभाएगी कि बृज भूषण से संबंधित या करीबी किसी को भी डब्ल्यूएफआई में पद नहीं मिलेगा।

आरसीबी में राशिद खान जैसा एक रहस्यमय...

» एबी डिविलियर्स ने फेंचाइजी की इस बड़ी समस्या का कर दिया खुलासा

नई दिल्ली,21 दिसंबर 2023। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स का मानना है कि राशिद खान जैसे विश्व स्तरीय लेग स्पिन की कमी आरसीबी को खलेगी। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस बात का खुलासा किया। डिविलियर्स का मानना है कि युजवेंद्र चहल और वानिंदु हसरंगा के जाने से यह स्पेशलिस्ट स्पिनर की कमी आरसीबी को आईपीएल 2024 में खलने वाली है। गौरतलब हो कि 19 दिसंबर को दुबई में खत्म हुई आईपीएल 2024 की नीलामी में आरसीबी ने अल्जारी जोसेफ को 11.50 करोड़ रुपये में, यश दयाल को 5 करोड़ रुपये में, टॉम करन को 1.5 करोड़ रुपये में, लॉकी फर्ग्यूसन को 2 करोड़ रुपये में, स्वप्निल सिंह को 20 लाख रुपये में और 20 लाख रुपये में सौरव चौहान जैसे खिलाड़ियों को खरीदा है।

डिविलियर्स ने जाहिर की चिंता

हालांकि, एक्स-फैक्टर वाले स्पिनर की कमी बनी हुई है। डिविलियर्स ने बताया कि आरसीबी के पास कर्ण शर्मा और हिमांशु शर्मा जैसे स्पिन विकल्प मौजूद हैं, फिर भी उन्हें एक मैच में लगातार चार या पांच विकेट लेने की क्षमता वाले गेंदबाज की कमी खलती है, जैसा कि राशिद खान गुजरात टाइटंस (जीटी) के लिए करते हैं।

आरसीबी में एक्स-फैक्टर स्पिनर की कमी

डिविलियर्स ने कहा, मैं कहूंगा, आरसीबी के को एक एक्स फैक्टर स्पिनर कमी खलेगी। हमें राशिद खान जैसे लेग स्पिनर की जरूरत है। हमने कुछ समय पहले ही युजवेंद्र चहल को खो दिया था। मुझे लगता है हमें उनकी कमी खली पिछले कुछ वर्षों में खली है। आरसीबी में एक या दो लेग स्पिनर की जगह खाली है।

आरसीबी की मौजूदा टीम में फाफ डु प्लेसिस, ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई और विल जैक शामिल हैं। हालांकि, गेम-चेंजिंग लेग स्पिनर की तलाश जारी है, क्योंकि आरसीबी का लक्ष्य अपने गेंदबाजी आक्रमण में धार लाना चाहती है।

स्टार्क से हमारे घरेलू गेंदबाजों को काफी मदद मिलेगी:गौतम गंभीर

नई दिल्ली,21 दिसंबर 2023। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर गौतम गंभीर का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को 24.75 करोड़ रुपये में खरीदने से टीम को महत्वपूर्ण सीख देने में भी काफी मदद मिलेगी।

नीलामी में दो घंटे से भी कम समय में अपने ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस से टैग लेकर स्टार्क आईपीएल के अब तक के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए, क्योंकि कोलकाता ने नीलामी में अपने पर्स का 75प्रतिशत से अधिक खर्च स्टार्क पर किया।स्टार्क ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के लिए 2014 और 2015 में आईपीएल के केवल दो सीज़न खेले हैं और 2018 में केकेआर के लिए खेलने वाले थे, लेकिन पैर की चोट के कारण बाहर हो गए। वह एक एक्स-फैक्टर है, इसमें कोई संदेह नहीं है। कोई ऐसा व्यक्ति जो नई गेंद से गेंदबाजी कर सकता है, डेथ ओवरों में गेंदबाजी कर सकता है और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि कोई ऐसा व्यक्ति जो आक्रमण का नेतृत्व कर सकता है।

गंभीर ने जियो सिनेमा से कहा, वह हमारे दो घरेलू गेंदबाजों के लिए बहुत मददगार साबित होने वाला है, क्योंकि वे दोनों बहुत प्रतिभाशाली हैं। आपको बीच में उनकी मदद करने के लिए किसी की जरूरत है और स्टार्क यह काम कर सकते हैं। यह न केवल उनकी गेंदबाजी के बारे में है, बल्कि आक्रमण का नेतृत्व करने और अपने आसपास के सभी लोगों की मदद करने के बारे में भी है। इसलिए, किसी को इसके लिए भुगतान करना होगा।

पाकिस्तान को लगा झटका

शहजाद ऑस्ट्रेलिया सीरीज से बाहर

मेलबर्न,21 दिसंबर 2023। शान मसूद की अगुवाई में पहले टेस्ट मैच में अपना टेस्ट डेब्यू करने वाले पाकिस्तान के खुर्रम शहजाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। पाकिस्तान टीम के लिए यह एक बड़ा झटका है। यह गेंदबाज शानदार फॉर्म में था।डेब्यू मैच में तेज गेंदबाज खुर्रम शहजाद चोटिल हो गए। उन्हें दर्द की शिकायत हुई जिसके बाद उन्हें एमआर आई स्कैन के लिए ले जाया गया है। खुर्रम के चोटिल होने की जानकारी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शेयर की है।पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को एक बयान में कहा, पसली में स्ट्रेस फ्रैक्चर और पेट की मांसपेशियों में चोट के कारण

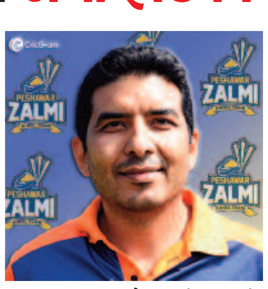

खुर्रम शहजाद को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर कर दिया गया है। जांच के बाद वो लाहौर में एनसीए लौट आएंगे, जहां वह पूरी तरह फिट होने तक रिहैब में रहेंगे। शहजाद ने पहले टेस्ट के दौरान दोनों पारियों में स्टीव स्मिथ के बड़े विकेट लिए, जबकि शानदार शुरुआत करते हुए कुल मिलाकर पांच विकेट लिए। उनकी कमी टीम खलेगी क्योंकि पाकिस्तान मेलबर्न और सिडनी में शेष दो टेस्ट मैचों में वापसी करना चाहेगी।

चिराग,रंकीरेड्डी को मिलेगा ध्यानचंद खेल रत्न

नई दिल्ली,21 दिसंबर 2023। खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2023 की घोषणा की। मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार 2023 भारतीय शटलर चिराग चंद्रशेखर शेट्टी और रंकीरेड्डी सात्विक साई राज को बैडमिंटन में उनके योगदान के लिए दिया जाएगा।

अन्य 26 खिलाड़ियों को खेल और खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 2023 में अर्जुन पुरस्कार मिलेगा। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को भी टीम इंडिया के लिए उनके शानदार प्रदर्शन के लिए अर्जुन पुरस्कार दिया जाएगा।

पुरस्कार विजेताओं को 9 जनवरी, 2024 को राष्ट्रपति भवन में भारत के राष्ट्रपति प्रदान करेंगे।

खेलों में उत्कृष्टता को पहचानने और पुरस्कृत करने के लिए हर साल राष्ट्रीय खेल पुरस्कार दिए जाते हैं।

मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार किसी खिलाड़ी द्वारा पिछले चार वर्षों की अवधि में खेल के क्षेत्र में शानदार और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है।

खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अर्जुन पुरस्कार पिछले चार वर्षों की अवधि में अच्छे प्रदर्शन और नेतृत्व, खेल कौशल और अनुशासन की भावना के गुण दिखाने के लिए दिया जाता है।

खेलों में उत्कृष्ट प्रशिक्षकों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार लगातार उत्कृष्ट और सराहनीय कार्य करने और

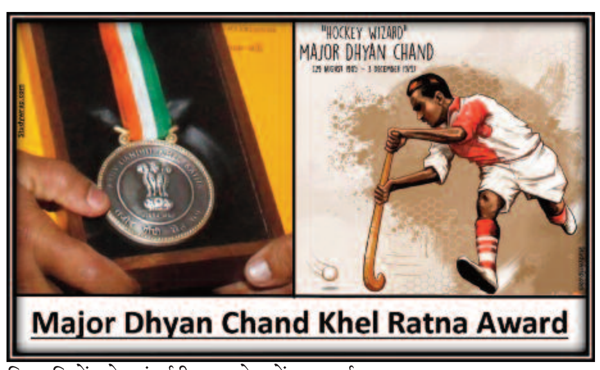

खिलाड़ियों को अंतर्राष्टीय आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सक्षम बनाने के लिए प्रशिक्षकों को दिया जाता है।

खेलों और खेलों में आजीवन उपलब्धि के लिए ध्यानचंद पुरस्कार उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है जिन्होंने अपने प्रदर्शन से खेलों में योगदान दिया है और जो अपनी सेवानिवृत्ति के बाद भी खेल आयोजन को बढ़ावा देने में योगदान देना जारी रखते हैं।

अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में समग्र रूप से शीर्ष प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालय को मौलाना अबुल कलाम आज़ाद (एमएकेए) ट्रॉफी दी जाती है।

मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार 2023 प्राप्तकर्ताओं की सूची
चिराग चन्द्रशेखर शेट्टी (बैडमिंटन)
रंकीरेड्डी सात्विक साई राज (बैडमिंटन)
खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अर्जुन पुरस्कार 2023
ओजस प्रवीण देवताले (तीरंदाजी)
अदिति गोपीचंद स्वामी (तीरंदाजी)
श्रीशंकर एम (एथलेटिक्स)
पारुल चौधरी (एथलेटिक्स)
मोहम्मद हुसामुद्दीन (मुक्केबाजी)
आर वैशाली (शतरंज)
मोहम्मद शमी (क्रिकेट)
अनुश अग्रवाल (घुड़सवारी)
दिव्याकृति सिंह (घुड़सवारी ड्रेसेज)
दीक्षा डागर (गोल्फ)
कृष्ण बहादुर पाठक (हॉकी)
पुखरामबम सुशीला चानू (हॉकी)
पवन कुमार (कबड्डी)
रितु नेगी (कबड्डी)
नसरीन (खो-खो)
पिंकी (लॉन बाउल्स)
ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (शूटिंग)
ईशा सिंह (शूटिंग)
हरिंदर पाल सिंह संधू (स्क्वैश)
अयहिका मुखर्जी (टेबल टेनिस)
सुनील कुमार (कुश्ती)
अंतिम (कुश्ती)
नाओरेम रोशिबिना देवी (वुशु)
शीतल देवी (पैरा तीरंदाज़ी)
इलूरी अजय कुमार रेड्डी (ब्लाइंड क्रिकेट)
प्राची यादव (पैरा कैनोइंग)
खेलों में उत्कृष्ट प्रशिक्षकों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार 2023
ललित कुमार (कुश्ती)
आर. बी. रमेश (शतरंज)
महावीर प्रसाद सैनी (पैरा एथलेटिक्स)
शिवेन्द्र सिंह (हॉकी)
गणेश प्रभाकर देवरुखकर (मल्लखंब)
आजीवन श्रेणी=
जसकीरत सिंह ग्रेवाल (गोल्फ़)
भास्करन ई (कबड्डी)
जयन्त कुमार पुशीलाल (टेबल टेनिस)
ध्यानचंद पुरस्कार 2023
मंजूषा कंवर (बैडमिंटन)
विनीत कुमार शर्मा (हॉकी)
कविता सेल्वराज (कबड्डी)
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद (माका) ट्रॉफी 2023=
गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर (समग्र रूप से शीर्ष प्रदर्शन के लिए विजेता विश्वविद्यालय)
लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पंजाब (प्रथम उपविजेता विश्वविद्यालय)
कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र (द्वितीय उपविजेता विश्वविद्यालय)

पीबीकेएस ने गलती से अनकैप्ड शशांक सिंह को खरीद लिया

नीलामीकर्ता ने उलटफेर से इनकार किया

नई दिल्ली,21 दिसंबर 2023। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 की नीलामी के दौरान 'गलत खिलाड़ी' खरीदकर एक बड़ी गलती की। जब तक उन्हें गलती का एहसास हुआ तब तक बोली पूरी हो चुकी थी और नीलामीकर्ता ने बोली उलटने से इनकार कर दिया।

इस अराजकता का केंद्र बिंदु अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी शशांक सिंह थे, जिन्हें पीबीकेएस ने मंगलवार को दुबई में 2024 आईपीएल नीलामी के दौरान खिलाड़ी के नाम में गड़बड़ी के बाद गलती से 20 लाख रुपये के बेस प्राइस पर खरीद लिया था।

त्वरित दौर के दौरान, नीलामीकर्ता मल्लिका सागर ने 32 वर्षीय शशांक के नाम की घोषणा की, जो घरेलू क्रिकेट में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हैं। अनकैप्ड बैटिंग ऑलराउंडर, जो सनराइजर्स हैदराबाद द्वारा रिलीज किए जाने के बाद पिछले साल की नीलामी में अनसोल्ड रहे, उन्हें 2024 आईपीएल के लिए एक टीम मिल गई, पंजाब किंग्स अनकैप्ड ऑलराउंडर के लिए एकमात्र बोली लगाने वाले के रूप में उभरी। शशांक का नाम सामने आने पर पीबीकेएस की सह-मालिक जिंटा ने अपनी टीम के बाकी सदस्यों के साथ एक संक्षिप्त चर्चा के बाद मामला उठाया। नीलामीकर्ता मल्लिका सागर ने नियमित प्रक्रिया का पालन किया और अपने हथौड़े से शशांक की फेंचाइजी को बिक्री पर मुहर लगा दी।

जब नीलामीकर्ता मल्लिका खिलाड़ियों के अगले सेट की ओर बढ़ी, जिसमें पहला नाम तनय त्यागराजन का था, तो पीबीकेएस को अपनी गलती का एहसास हुआ और मालिकों नेस वाडिया और जिंटा ने उन्हें सूचित किया कि उन्होंने गलती से शशांक को कोई अन्य खिलाड़ी समझ लिया है।

ओह! आप खिलाड़ी को नहीं चाहते? मल्लिका ने पूछा। हम शशांक सिंह के बारे में बात कर रहे हैं। लेकिन हथौड़ा नीचे आ गया है। खिलाड़ी नंबर 236 और 237 दोनों आपके पास गए, मुझे लगता है ।

वाडिया और जिंटा उसे नीलामी में फिर से शामिल करने के लिए उत्सुक थे, फिर भी नीलामी नियम ऐसी कार्रवाई को रोकते हैं जब हथौड़ा एक खरीद की पुष्टि करता है, जिससे लेनदेन मजबूत होता है।

रॉबिन मिंज आईपीएल में दिखाएगा जलवा

चूल्हे की बुझी लकड़ियों से बैट बनाकर अभ्यास किया करता था झारखंड का रॉबिन मिंज

रांची ,21 दिसंबर 2023। झारखंड के नक्सलवाद प्रभावित गुमला जिले के एक छोटे से गांव के एक आदिवासी परिवार का 21 वर्षीय लड़का रॉबिन मिंज आईपीएल के लिए प्लेयर्स की नीलामी के बाद अचानक से चर्चा में आ गया।

उसे गुजरात टाइटन्स ने 3 करोड़ 60 लाख रुपए में खरीदा है। वह झारखंड का पहला आदिवासी प्लेयर है, जिसे इंटरनेशनल लेवल क्रिकेट लीग खेलने का मौका मिला है। रॉबिन पिछले सात सालों से रांची में रहकर क्रिकेट खेल रहा है।

मंगलवार के पहले उसे रांची में भी गिने-चुने लोग ही जानते थे, लेकिन अब उसका नाम इस शहर-राज्य के क्रिकेट प्रेमियों की जुबां पर है। छह-सात साल की उम्र से क्रिकेट खेल रहे रॉबिन के पिता फ्रांसिस जेवियर मिंज एक्स आर्मी मैन हैं, जो आजकल रांची स्थित बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर बतौर गार्ड तैनात हैं। उसका पूरा परिवार गुमला के रायडीह प्रखंड के एक छोटे से गांव सिलम पांदनटोली में रहता है।

गांव में रहने वाले उनके भाई-भाभी और परिवार की माली हालत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके घर में एक अदद टीवी तक नहीं है।

रॉबिन के भाई प्रकाश मिंज ने मीडियाकर्मियों को बताया कि उसके भीतर बचपन से ही क्रिकेट को लेकर जुनून था। घर में मां चूल्हे में जो लकड़ियां जलाती थीं, उन्हें बुझाकर रॉबिन बैट बनाता था और क्रिकेट खेलने गांव के मैदान में चला जाता था। लगन देख पिता ने रॉबिन को लकड़ी का बैट थमाया था। बाद में वह उसे रांची ले गए, जहां उसने क्रिकेट कोचिंग ली। 10वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद उसने खुद को पूरी तरह क्रिकेट को समर्पित कर दिया। इस साल की शुरुआत में जुलाई में मुंबई इंडियंस के यूके दौरे के लिए उसकी तलाश की गई थी।

एक्शन से भरपूर रवि तेजा की फिल्म ईगल का ट्रेलर जारी

एक्शन से भरपूर रवि तेजा ईगल का ट्रेलर रिलीज हो गया। मास राजा रवि तेजा कार्तिक घट्टमनेनी द्वारा निर्देशित अपनी आगामी मनोरंजन फिल्म ईगल के साथ फिल्म प्रेमियों को लुभाने के लिए तैयार हैं, जो 13 जनवरी, 2024 को रिलीज होने वाली है। फिल्म के प्रचार से लगातार उम्मीदें बढ़ रही हैं, और आज, निर्माताओं ने अत्यधिक अनावरण किया प्रत्याशित ट्रेलर.

रवि तेजा ने एक शानदार एंट्री की है, जिसे तीव्रता और शक्ति के साथ चित्रित किया गया है, और प्रभावशाली संवाद बोले हैं जो फिल्म के लिए माहौल तैयार करते हैं। ट्रेलर में रवि तेजा को न केवल खूबसूरत अभिनेत्रियों के साथ बल्कि अत्याधुनिक हथियारों के साथ रोमांस करते हुए दिखाया गया है, जो एक बहुआयामी कहानी की ओर इशारा करता है। नायक को विभिन्न पक्षों से विरोधियों का सामना करना पड़ता है, जिससे कहानी में साज़िश की परतें जुड़ जाती हैं। सिनेमैटोग्राफी और बैकग्राउंड म्यूजिक (बीजीएम) दृश्यों को बेहतर बनाते हैं, जिससे फिल्म के प्रति समग्र प्रत्याशा बढ़ जाती है। ट्रेलर में काव्या थापर, अनुपमा परमेश्वरन, नवदीप, श्रीनिवास अवसारला और मधुबाला सहित अन्य प्रमुख कलाकारों की झलक दिखाई गई है, जो कहानी की प्रगति में योगदान दे रहे हैं। ईगल एक बड़े विस्फोट का वादा करता है, और ट्रेलर दर्शकों को बड़े पर्दे पर एक आकर्षक अनुभव का आश्वासन देता है।

इस परियोजना का निर्माण पीपुल मीडिया फैक्ट्री के तहत टीजी विश्वप्रसाद द्वारा किया गया है, जो इस बहुप्रतीक्षित रवि तेजा अभिनीत फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ा रहा है। बड़े पैमाने पर मनोरंजन के लिए तैयार हो जाइए जिसे ईगल अपनी रिलीज पर पेश करने के लिए तैयार है।

रेड स्टाइलिश ड्रेस में सुहाना खान ने दिखाई अपनी हॉटनेस,स्टनिंग लुक से बिखेरा जलवा

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरूख खान की लाडली बेटी सुहाना खान की हाल ही में 'द आर्चीज' रिलीज हुई है। अपनी पहली डेब्यू फिल्म को लेकर सुहाना ने काफी सुर्खियां बटोरी। अपने सोशल मीडिया पर भी सुहाना खान काफी एक्टिव रहती हैं, जहां वो अक्सर अपने प्रोफेशनल से पर्सनल लाइफ तक के अपडेट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। सुहाना के फैंस को उनका फैशन सेंस भी काफी पसंद आता है, जो सोशल मीडिया पर जमकर वयारल भी हो जाता है। अब इसी बीच सुहाना खान ने एक लेटेस्ट पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने अपनी कुछ फोटोज शेयर की है, जो वायरल हो रहीं हैं।

आपको बता दें कि सुपरस्टार शाहरूख खान की लाडली बेटी सुहाना खान ने अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज में सुहाना रेड कलर के स्टाइलिश गाउन में नजर आ रहीं हैं। इस दौरान सुहाना का लुक बेहद हॉट और गॉर्जियस लग रहा है। असल जिंदगी में उनकी हॉटनेस का अंदाजा आप एक्ट्रेस की इन लेटेस्ट फोटो के जरिए आसानी से लगा सकते हैं। इन फोटोज को शेयर करने के साथ सुहाना खान ने कैप्शन भी दिया है, जिसमें उन्होंने हार्ट इमोजी ड्रोप किया है।सोशल मीडिया पर सुहाना की ये फोटो जमकर वायरल हो रहीं हैं। इन फोटोज से सुहाना अपने स्टनिंग लुक को लेकर लाइमलाइट में आ गई हैं।

सुहाना खान की इन लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद से उनके फैंस लाइक करने के साथ कमेंट कर अपने रिएक्शन दे रहें हैं। इन फोटोज पर सेलेब्स ने भी कमेंट किए हैं। इस दौरान एक यूजर ने फोटो पर कमेंट कर लिखा, 'आपका लुक काफी स्टनिंग लग रहा है।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'रेड में आप कमाल दिख रही हैं।'

जबकि सुहाना की बेस्टी शनाया कपूर ने लिखा, 'टू हॉट टू हैंडल।' वहीं, अमिताभ बच्चन की बेटी श्वेता ने लिखा, 'बहुत खूबसूरत लड़की' और इसके साथ हार्ट इमोजी भी लागाया है।

कैटरीना कैफ की 'मैरी क्रिसमस' का ट्रेलर रिलीज

कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की फिल्म मेरी क्रिसमस की रिलीज लंबे समय से अटकी हुई है। पहले यह फिल्म पिछले साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज होने वाली थी।तब यह फिल्म टल गई और चर्चा थी कि यह क्रिसमस, 2023 के मौके पर आ सकती है।हालांकि, डंकी और सालार की भिड़ंत के बीच यह फिल्म गायब ही हो गई। अब बिना किसी शोर-शराबे के फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया गया है।श्रीराम राघवन की मेरी क्रिसमस एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है।ट्रेलर में नजर आ रहा है कि फिल्म एक रहस्यमई रात की कहानी है। फिल्म में कैटरीना और सेतुपति के किरदार क्रिसमस की शाम मिलते हैं और साथ में वक्त गुजारने का फैसला करते हैं।यह रात उनके लिए सबसे काली रात साबित होती है, जहां दोनों की जान पर बन आती है। ट्रेलर से साफ है यह एक रोमांचक फिल्म होगी। मेरी क्रिसमस 12 जनवरी को हिंदी और तमिल में रिलीज होगी।इसका निर्देशन बदलापुर और अंधाधुन जैसी फिल्मों का निर्देशक कर चुके श्रीराम राघवन ने किया है। रमेश तौरानी और संजय राउतरे ने इस फिल्म का निर्माण किया है।एक इंटरव्यू में राघवन ने बताया था कि इस फिल्म के लिए वह ऐसी जोड़ी को लेना चाहते थे, जो पहले कभी पर्दे पर साथ नहीं दिखी हो।विक्की कौशल से शादी के बाद यह कैटरीना का पहला नया प्रोजेक्ट था।

राघवन ने यह भी खुलासा किया था कि उन्होंने फिल्म को हिंदी और तमिल में एक साथ शूट किया है। हालांकि, दोनों संस्करण बिल्कुल एक जैसे नहीं हैं।भाषा का फर्क होने के साथ ही कुछ कलाकार भी दोनों फिल्मों में अलग हैं। इस तरह से यह 2 अलग फिल्मों की तरह हो गई।दोनों फिल्में 95 प्रतिशत एक ही हैं, लेकिन इनमें कुछ बदलाव हैं। वह ये बदलाव इसलिए चाहते थे कि यह डब्ड फिल्म ना लगे।

CMYK

छत्तीसगढ़ विधानसभा में अनुपूरक बजट पास

» विष्णुदेव साय बोले- बीजेपी सरकार के घोषणापत्र में हर वर्ग के लिए हितकारी प्रावधान

» बारह हजार नौ सौ बयानबे करोड़, सत्तर लाख, अनठानबे हजार, आठ सौ रूपये की अनुपूरक राशि दिए जाने का प्रस्ताव पास

रायपुर,21 दिसम्बर 2023(ए)। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन 12 हजार 9 सौ 92 करोड़, 70 लाख, 98 हजार, 8 सौ रुपए का अनुपूरक बजट पास हो गया है। सीएम विष्णुदेव साय ने बताया इसमें किसानों के लिए 2 साल के बकाया धान बोनस भुगतान के लिए 3800 करोड़ और महतारी वंदन योजना के लिए 1200 करोड़ रुपए का प्रावधान है। भाजपा सरकार के घोषणापत्र में हर वर्ग के लिए हितकारी प्रावधान हैं।

मैं छत्तीसगढ़ की पूरी जनता को हृदय से धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने मोदी की गारंटी के प्रति अपना भरोसा जताया और मुझे छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा का अवसर दिया है।

मुख्यमंत्री की शपथ लिए मुझे कुछ घंटे हुए थे लेकिन मोदी जी के गारंटी का क्रियान्वयन करने के लिए हमने एक सेकंड भी टाइम नहीं लगाया। क्योंकि मोदी जी की गारंटी का मतलब होता है गारंटी पूरा होने की गारंटी।

सदन में प्रस्तुत अनुपूरक बजट, प्रदेश की जनता को मोदी जी द्वारा दी गई गारंटी पूरा करने की दिशा में हमारी सरकार का पहला कदम है।

पूर्व सरकार ने 1 लाख 21 करोड़ रुपए से भी अधिक का बजट पेश किया था, सरकार ने राजस्व की व्यवस्था नहीं की थी। 5 साल के कार्यकाल में 50 हजार करोड़ रुपए का कर्ज सरकार ने लिया। इतनी विपरीत परिस्थिति के बाद भी हम घोषणाएं पूरा करने को प्रतिबद्ध हैं।

➡ मोदी की गारंटी में राज्य के लगभग 18 लाख ग्रामीण परिवारों को पक्का आवास देने की गारंटी है, इसलिए हमारी सरकार इसकी व्यवस्था कर रही है। 3 हजार 7 सौ 99 करोड़ का प्रावधान ग्रामीण आवासों के लिए हमने इस अनुपूरक बजट में किया है।

➡ छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने की मांग वर्षों से चली आ रही थी। छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने किया ताकि छत्तीसगढ़ की जनता के सपनों को साकार किया जा सके।

➡ किसानों के लिए 2 साल के बकाया धान बोनस भुगतान के लिए द्वितीय अनुपूरक में 3800 करोड रुपए का प्रावधान किया गया।

➡महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें आर्थिक संबल देने के लिए महतारी वंदन योजना का प्रावधान हमने किया गया है। इसमें आर्थिक सहायता दिए जाने हेतु द्वितीय अनुपूरक बजट में 1200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

10 वर्ष की उम्र में ही मेरे पिता का साया मेरे सिर से उठ गया, मैं अपना जीवन छत्तीसगढ़ के नागरिकों की बेहतरी के लिए करूंगा समर्पित

➡10 वर्ष की उम्र में ही मेरे पिता का साया मेरे सर पर से उठ गया था, लेकिन मैं छत्तीसगढ़ के हर नागरिक की बेहतरी के लिए अपना सर्वस्व समर्पण करने से भी पीछे नहीं रहूंगा।

➡हर घर तक नल से जल पहुंचाने की दिशा में हमने काम शुरू कर दिया है। 1 हजार 230 करोड़ रुपए का राज्यांश मद में प्रावधान किया गया है।

➡ कृषक जीवन ज्योति योजना के लिए अनुपूरक बजट में 1 हजार 102 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है।

➡ केंद्रीय स्वास्थ्य योजनाओं के लिए 255 करोड़ 25 लाख रुपए का राज्यांश प्रावधान किया गया है।

➡ हमारी सरकार के घोषणापत्र में हर वर्ग के लिए हितकारी प्रावधान हैं।

साय मंत्रिमंडल में शामिल होंगे ये 9 विधायक

आज दोपहर में लेगें शपथ

रायपुर,21 दिसम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की कैबिनेट में शामिल होने वाले मंत्रियों की सूची जारी कर दी गई है। कैबिनेट में इन विधायकों को मंत्री के रुप में शामिल किया जा रहा है। ये विधायक कल दोपहर पौने 12 बजे राजभवन में मंत्री पद की शपथ लेंगे।

मंत्री बनाए जाने वालों में – बृजमोहन अग्रवाल, राम विचार नेताम, दयालदास बघेल, केदार कश्यप, लखन लाल देवांगन, श्याम बिहारी जायसवाल, ओपी चौधरी, लक्ष्मी राजवाड़े और टंक राम वर्मा शामिल हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने बताया कि फिलहाल 9 मंत्री बनाए जा रहे हैं। एक पद खाली रखा गया है। उन्होंने बताया कि विभागों का बंटवारा भी शीघ्र कर लिया जाएगा।

बता दें कि कल 9 नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण के साथ राज्य कैबिनेट में मुखे यमंत्री सहित 12 मंत्री हो जाएंगे।

पहली बार वाले 3 विधायक होंगे कैबिनेट में शामिल। विष्णु कैबिनेट में शामिल होने वाले 9 नए मंत्रियों में 3 पहली बार के विधायक हैं। इनमें ओपी चौधरी, लक्ष्मी राजवाड़े और टंक राम वर्मा शामिल हैं। इसके साथ ही मंत्रिमंडल में पहली बार वाले विधायकों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। दोनों डिप्टी सीएम भी पहली बार के विधायक हैं।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में गूंजा हसदेव अरण्य का मुद्दा

नेता प्रतिपक्ष महंत ने कहा-जनता को लाभ देना छोड़ उद्योगपति को पहुंचा रहे फायदा

छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज हसदेव अरण्य का मुद्दा नेता-प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने उठाया। अनुपूरक बजट में चर्चा के दौरान महंत ने कहा, जनता को लाभ मिलना शुरू भी नहीं हुआ और अडानी को लाभ देना शुरू हो गया। हसदेव अरण्य क्षेत्र में पेड़ों की कटाई की अनुमति दे दी गई है। हसदेव को बचाने आंदोलन कर रहे आदिवासियों की गिरफ्तारी हो गई है। डॉ. महंत ने कहा हसदेव क्षेत्र में समृद्ध जंगल है. हाथियों सहित अनेक जानवरों का रहवास क्षेत्र है. उस इलाके में खनन से सब बर्बाद हो जाएगा। हसदेव को बचाने हमारी

सरकार में सदन में संकल्प लाया गया था। हमने खनन का विरोध किया था। मैं यही चाहता हूं कि सरकार हसदेव को उजड़ने से रोके।

चरणदास महंत ने कहा, 30 हजार से अधिक पेड़ काटे जा चुके हैं. ढाई लाख पेड़ काटे जाएंगे, इसे रोका जाना चाहिए। हसदेव अरण्य को लेकर धर्मजीत सिंह ने कहा, पेड़ों को काटे जाने की अनुमति भूपेश सरकार ने दी है। चरणदास महंत ने कहा- अडाणी को जल जंगल जमीन न दें. इससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ेगा, इसे रोका जाना चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अनुपूरक बजट को बताया 'ऊंट के मुंह में जीरा'

» महतारी वंदन के साथ इन योजनाओं पर मांगा स्पष्टीकरण

छत्तीसगढ़ विधानसभा के तीसरे दिन अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान भूपेश बघेल ने कहा कि अनुपूरक बजट से सभी वर्गों को निराशा हुई है। यह अनुपूरक बजट ऊंट के मुंह में जीरा है। इसके साथ ही बजट में 3100 में खरीदी की जिक्र नहीं होने के साथ उन्होंने महतारी वंदन योजना, 500 रुपए में गैस सिलेंडर सहित बिजली बिल, गोबर खरीदी, गोमूत्र खरीदी के अलावा चावल योजना को लेकर सरकार से

स्पष्टीकरण की मांग की।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने चर्चा के दौरान कहा कि धान बोनस को लेकर केंद्र सरकार को कटघरे में खड़े किया। उन्होंने कहा कि केंद्र ने हमारी सरकार को बोनस देने से रोका. केंद्र सरकार ने कहा कि बोनस देंगे तो चावल नहीं लेंगे। मैंने केंद्र सरकार से बोनस पर रोक हटाने की मांग की थी. भारत सरकार ने हमारे रहते रोक नहीं हटाई थी।

भूपेश बघेल ने कहा कि अब डबल इंजन की सरकार है, आपको फोन से आदेश मिल जाएगा। लेकिन आदेश के बगैर आप बोनस का वितरण नहीं कर पाएंगे। भाजपा के घोषणापत्र में धान किसानों को 3100 देने की बात है, बाकी किसानों के संबंध में कोई बात नहीं कही गई है। बोनस को लेकर ही आपने बजट में प्रावधान किया है, लेकिन 3100 में खरीदी के संबंध में कोई बात नहीं कही गई है।

कांग्रेस विधायक ने महतारी वंदन योजना पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना के दायरे में कौन आएगा स्पष्ट हो। गैस सिलेंडर के लिए कौन-कौन पात्र हैं, यह भी स्पष्ट करें. बिजली बिल,गोबर खरीदी, गोमूत्र खरीदी होगी या नहीं स्पष्ट करें। चावल योजना जारी रहेगी या नहीं यह भी स्पष्ट होना चाहिए।

आवास योजना के सर्वे और क्वांटिटिव डाटा आयोग पर बहस के दौरान भूपेश बघेल ने आंकड़ों को लेकर सवाल उठाए। बृजमोहन अग्रवाल और अजय चंद्राकर ने पुराने सर्वे को फर्जी बताया था। इसके साथ ही कहा कि जो रिपोर्ट सदन में पेश नहीं हुई, उसके आंकड़े न बताएं।

बीजेपी विधायक ने की भूपेश बघेल की मदद और टीएस सिंह को हरा दिया,विधानसभा में चली ये चर्चा

तीन दिवसीय सदन की कार्यवाही के दौरान सीएम विष्णुदेव साय ने करीब 13 हजार करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया। वहीं, अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच जमकर नोक झोंक देखने को मिली। सदन में भाजपा के लखन लाल यादव ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसा कोई सगा नहीं जिसे कांग्रेस ने ठगा नहीं। पहली बार विधानसभा पहुंचने वाले भाजपा खुशवंत साहेब ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने विकास को हर लोगों तक पहुंचाने का प्रण लिया था भारतीय जनता पार्टी इस काम को आगे बढ़ा रही है। वहीं, भूपेश बघेल ने कहा कि चुटकुले अंदाज में कहा के संभावित मंत्रियों को भी बधाई दी। आनंद फिल्म का डायलॉग सुनाते हुए कहा कि कब कौन बनेगा इसकी डोर किसके हाथ में है?भूपेश बघेल के संबोधन के बीच अजय चंद्राकर ने टोकते हुए कहा की जो भी हो ढाई साल का किस्सा नहीं होगा। इतना ही नहीं पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव को राजेश अग्रवाल को हराकर सदन तक पहुंचे राजेश अग्रवाल ने कहा कि कि मैंने तो आपकी मदद की है, इतना सुनते ही सदन में ठहाके लगने लगे।

अजय चंद्राकर ने झीरम कांड की सीबीआई जांच की मांग उठाई

उमेश पटेल ने किया समर्थन

शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन अनुपूरक बजट को लेकर पूर्व मंत्री उमेश पटेल ने झीरम मामले पर सीबीआई जांच की उठी मांग को लेकर कहा, हमने झीरम घटना पर एसआईटी गठन किया। एनआईएन ने इसे चैलेंज किया. हाईकोर्ट ने लोकल पुलिस को जांच से मना किया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने लोकल पुलिस को जांच के लिए अनुमति दी। तब तक सरकार बदल गई. अजय चंद्राकर ने सीबीआई जांच की मांग की, मैं स्वागत करता हूं। हम इसके पक्ष में है. बिरनपुर घटना की भी सीबीआई जांच कर सकते हैं, उनकी सरकार है।पटेल ने भाजपा सरकार की नियत पर सवाल उठाया. उन्होंने कहा, महतारी वंदन योजना उनकी महत्वाकांक्षी योजना है. सरकार

बनाने में इस योजना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरकार बनते ही सभी विवाहित महिलाओं को देने का वादा किया था, उनका धोखा सामने आ गया है।उमेश पटेल ने कहा, बजट में 1200 करोड़ का प्रावधान रखा है। एक करोड़ विवाहित महिलाएं छत्तीसगढ़ में है और यह सिर्फ 30 लाख को इसका लाभ देंगे। 70 लाख महिलाओं को धोखा दे रहे हैं। यह सरकार भगवा नहीं ठगवा सरकार है. ठगवा सरकार अपना असली रंग दिखाना शुरू कर चुकी है।

किसान आत्महत्या पर विपक्ष के द्वारा सदन में किया गया हंगामा

» स्थगन सूचना को अग्राह्य करने के विरोध में विपक्ष का वॉकआउट

रायपुर।छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन आज नारायणपुर में किसान आत्महत्या पर कांग्रेस ने स्थगन दिया। जिसे आसंदी ने अग्राह्य कर दिया जिसके बाद विपक्ष ने शोरगुल करते हुए सदन से वॉकआउट किया। सत्र की शुरुआत में विपक्षी कांग्रेस विधायक लखेश्वर बघेल ने किसान आत्महत्या का मुद्दा उठाया, जिसके जवाब में अजय चंद्राकर ने कहा कि स्थगन की सूचना नहीं दी गई है, व्यवस्था आनी चाहिए।

चर्चा में भूपेश बघेल ने कहा कि विशेष परिस्थिति है, किसान ने कर्ज के बोझ से आत्महत्या की है, महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसपर चर्चा होनी चाहिए। विपक्ष के चर्चा प्रस्ताव बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि नियम प्रक्रियाओं से परे सदन नहीं चल सकता। स्थगन का उल्लेख नहीं किया गया है, इसलिए चर्चा उचित नहीं।

चर्चा को आगे बढ़ाते हुए नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने कहा कि गरीब की दुःख सुनने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए, अध्यक्ष दयालु हैं, दरियादिल हैं, उसमें किसान या आदिवासी समा सकता है, चर्चा होनी चाहिए। इस पर अजय चंद्राकर ने कहा कि अभिभाषण पर चर्चा के दिन नियम के विपरीत चर्चा की मांग हो रही. भूपेश बघेल ने कहा कि सत्र आहूत होने के बीच आत्महत्या हुई है, बाद में चर्चा संभव नही है, इसे ग्राह्य करके चर्चा कराया जाए।

धरमलाल कौशिक ने चर्चा में शामिल होते हुए कहा कि अगले सत्र में नियम के तहत चर्चा हो सकती है। इस पर भूपेश बघेल ने कहा कि नियम में यही है कि एक विधानसभा से दूसरे विधानसभा सत्र के मध्य जो घटना होती है, उस पर चर्चा होती है, इसे ग्राह्य किया जाए। कवासी लखमा ने कहा कि किसान आत्महत्या न करे इसलिए चर्चा आवश्यक है।

जिस पर विधानसभा अध्यक्ष ने व्यवस्था देते हुए कहा कि मान्य और सुव्यवस्थित परंपरा है, इसमें सदस्यों का शपथ ग्रहण होता है, स्थगन और चर्चा के मांग की पूर्व ही सूचना दी जाती है। अल्प सूचना में स्थगन ध्यानाकर्षण नहीं लिया जा सकता जिसके बाद आसंदी ने स्थगन सूचना को अग्राह्य किया। आंसदी की व्यवस्था में किसान की आत्म हत्या चर्चा नहीं कराने के विरोध में विपक्ष ने शोरगुल मचाते हुए सदन से बहिर्गमन किया।

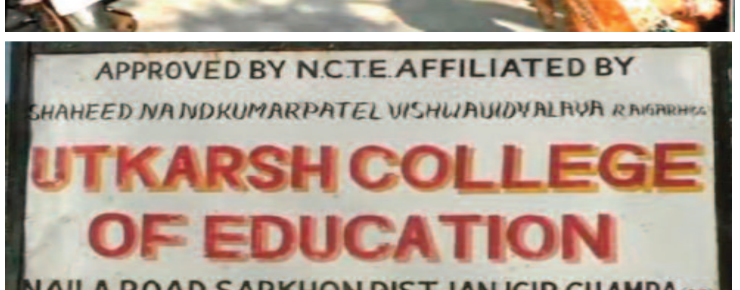

छात्रों के भविष्य का हो रहा है सौदा

» सीजी में भविष्य का सौदा हो रहा

» डीएड में एडमिशन के लिए चल रही सेटिंग

» 2.50 लाख में बिक रही 1 सीट!

» कौन है इस खेल का मास्टमाइंड ?

जांजगीर-चांपा,21 दिसम्बर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में छात्रों के भविष्य का सौदा चल रहा है। छात्रों का आरोप है कि, 2.50 लाख रुपए में एक सीट की डील चल रही है। पैसे लेकर निचले रैंक वाले को एडमिशन दिया जा रहा है. पूरा मामला उत्कर्ष कॉलेज का बताया जा रहा है. जहां ये गड़बड़ी की जा रही है।

उत्कर्ष महाविद्यालय में बीएड और डीएड प्रवेश के लिए अंतिम भर्ती प्रक्रिया आयोजन किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ के अलग-अलग क्षेत्र के अभ्यर्थी काउंसलिंग में शामिल होने पहुंचे। लेकिन कॉलेज प्रबंधन ने 12 बजे से ही गेट में ताला लगाकर काउंसलिंग की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी, जिसके कारण पहले नंबर पर नाम रहने वाले अभ्यर्थी प्रवेश काउंसलिंग से वंचित हो गए. वहीं छात्रों ने कॉलेज प्रबंधन पर मनमानी और ढाई लाख रुपये लेकर अपने चहेतों को लाभ दिलाने का आरोप लगाया है।

हालांकि, छात्रों की शिकायत पर जिला प्रशासन में तहसीलदार को जांच के लिए भेजा। जहां कॉलेज प्रबंधक ने एनसीईआरटी के आदेश का हवाला देकर 12 बजे गेट में ताला लगाकर बंद कमरे में काउंसलिंग करने का दावा किया। इस मामले में जांच में पहुंचे अधिकारी ने कॉलेज परिसर ने ताला लगाने को गलत बताया और इस मामले ने अभ्यार्थियों को कलेक्टेट के नाम लिखित शिकायत करने के सलाह दी और उस जांच के बाद आगे की प्रक्रिया होने का दावा किया।

किरण सिंह देव को मिली प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी

रायपुर,21 दिसम्बर 2023 (ए)। जगदलपुर के विधायक किरण सिंह देव को प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह ने नियुक्ति आदेश जारी किए हैं। किरण देव प्रदेश उपाध्यक्ष सहित कई पदों पर रहे हैं। अरूण साव के डिप्टी सीएम बनने के बाद प्रदेश अध्यक्ष पद पर नई नियुक्ति की अटकलें लगाई जा रही थी।

61 वर्षीय भाजपा प्रत्याशी किरण सिंह देव रियासत कालीन जमींदार परिवार से आते हैं। इसकी वजह से ग्रामीण मतदाताओं में भी लोकप्रिय हैं। उनके पिता का नाम लक्ष्मी नारायण देव है। वह जगदलपुर नगर निगम के वार्ड क्रमांक 25, नादन गली, जिला बस्तर छत्तीसगढ़ के निवासी हैं। उन्होंने सन 1985 में रविशंकर विश्वविद्यालय से बीएससी की डिग्री ली। फिर 1989 में रविशंकर विश्वविद्यालय से ही एलएलबी की डिग्री प्राप्त की। उनका व्यवसाय अधिवक्ता होने के साथ ही कृषि भी है। उनका नंबर 9425591333 हैं। उनका विवाह रीना सिंह देव हैं। रीना सिंह देव शासकीय शिक्षिका हैं। उनकी एक पुत्री है जिसका नाम राशि सिंह देव हैं। किरण सिंह देव के नाम से कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है। किरण देव के नाम से करीब 2.43 करोड़ रूपए की संपत्ति है, जबकि उनकी पत्नी के नाम पर 51.88 लाख रूपए की संपत्ति है। इसमें जमीन, घर सहित सोना व बैंक में जमा रकम व गाड़ियों की जानकारी दी गई है। किरण सिंह देव ने भारतीय जनता युवा मोर्चा से अपने राजनीति की शुरुआत की। वह पिछले 30 सालों से भाजपा से जुड़े हुए हैं। किरण सिंह देव भारतीय जनता युवा मोर्चा के बस्तर जिला अध्यक्ष भी रहे हैं। भारतीय जनता युवा मोर्चा के अलावा भारतीय जनता पार्टी के बस्तर जिला अध्यक्ष भी रहे हैं। भाजपा के प्रदेश मंत्री व प्रदेश महामंत्री का भी कार्यभार किरण सिंह देव ने संभाला है। 2009 में 27000 वोटो से नगर निगम के महापौर का चुनाव जीत कर महापौर बनें। 2014 तक वे जगदलपुर नगर निगम के महापौर रहें।

विधानसभा में किसानों की कर्जमाफी को लेकर गहमा-गहमी

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा- मैंने जब कर्जमाफी की बात कही तब नहीं आया था बीजेपी का घोषणापत्र

रायपुर,21 दिसम्बर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन किसानों की कर्जमाफी को लेकर विपक्ष ने सदन में जमकर हंगामा किया. चर्चा के दौरान विपक्ष ने बीजेपी सरकार पर किसानों के साथ धोखेबाजी का आरोप लगाया। जिसपर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि, 'मैंनें जिस समय कर्जमाफी की बात कही थी, तब भाजपा का घोषणा पत्र नहीं आया था। बाद में बीजेपी का घोषणा पत्र आया और जनता ने उस पर जनादेश दिया'।विपक्ष के सदस्यों ने कर्जमाफी पर उठाए सवाल पर कहा कि, जनता के जनादेश का सम्मान होना चाहिए। डिप्टी सीएम विजय शर्मा के बयान के बाद सदन में तीखा विरोध शुरू हो गया। कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने कहा कि, 'मोदी की गारंटी में 21 क्विंटल 3100 में धान खरीदी की बात कही गई। जबकि हमने 20 क्विंटल की बात कही थी, तब इसका विरोध किया गया।कल 21 क्विंटल का आदेश जारी हुआ, लेकिन प्रावधान नहीं है। आदेश जारी कर दिया, लेकिन सोसायटी को आदेश दिया. 700 क्विंटल छोटी सोसायटी और 1600 से ज्यादा बड़ी सोसायटी नहीं खरीद पाएंगे।

भिलाई नगर में डायरिया का प्रकोप

103 मरीज मिलने से मचा हड़कंप

भिलाई,21 दिसम्बर 2023(ए)। भिलाई नगर को डायरिया पूरी तरह अपनी चपेट में लेता जा रहा है। डायरिया ने 4 दिन में 103 लोगों को संक्रमित कर चुका है। वहीं बीते दिनों डायरिया से पीड़ित महिला की मौत हो गई थी। जिससे नागरिकों में दहशत का माहौल बना हुआ है। जल्द ही इसका समाधान नहीं निकाला गया तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है। जानकारों के मुताबिक मौसम में हुए बदलाव को इसका कारण माना जा रहा है। सर्दी जुकाम जैसे लक्षण के साथ यह बीमारी लोगों को संक्रमित कर रहा है। बीते दिनों बारिश हुई थी जिसकी वजह से मलेरिया डेंगू के ज्यादा मामले सामने लगे हैं। जिसकी वजह से मरीजों की संख्या दिनों-दिन बढ़ती ही

जा रही है। वहीं अब तक 4 दिन में डायरिया के करीब 103 मरीज मिले हैं। जिससे स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। प्रशासन के निर्देश पर जगह-जगह स्वास्थ्य शिविर लगाए जा रहे हैं। वहीं डायरिया के प्रकोप से बचने के लिए जागरूकता अभियान चलाई जा रही है। स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छा के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है। वहीं कल 17 मरीजों में 13 को दस्त की शिकायत थी। वहीं दो अन्य मरीज उल्टी दस्त से पीड़ित थे। बढ़ते डायरिया को देखते हुए सीएमएचओ ने भी दौरा कर जानकारी ली। इसके साथ ही बीते दिनों डायरिया से महिला की मौत का कारण जानने के लिए जांच कमेटी बनाई गई है। जिसके लिए मितानिनों का डोर टू डोर सर्वे जारी है। साथ ही क्लोरीन की दवा बांटी जा रही है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)